दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

.वर्ष 54/ अंक 256/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 22 अप्रैल 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

पीएम मोदी सऊदी अरब के दौरे पर रवाना

क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार सुबह सऊदी अरब के दौरे पर रवाना हो गए हैं। उनका यह दौरा 2 दिन का होगा। उनके तीसरे कार्यकाल में यह पहली सऊदी यात्रा है। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने मोदी को सऊदी आने का न्योते दिया था। मोदी 22 अप्रैल को सऊदी के जेद्दाह पहुंचेंगे। इसके बाद क्राउन प्रिंस से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच योग, मीडिया, मनोरंजन और खेल को लेकर रूष्प साइन हो सकते हैं।

इसके बाद कल यानी 23 अप्रैल को मोदी सऊदी की एक फैक्ट्री में भारतीय मजदूरों से मिलेंगे। बता दें कि मिडिल ईस्ट में कुल 92 लाख भारतीय काम करते हैं, जिनमें करीब 27 लाख सऊदी में काम करते हैं।

परिवार संग जयपुर पहुंचे जेडी वेंस, मोदी ने उनके बच्चों को मोरपंख भेंट किया

नई दिल्ली। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पीएम मोदी की मुलाकात के बाद परिवार समेत जयपुर पहुंच गए हैं। वे शाम 6.30 बजे से 8.50 बजे तक पीएम मोदी के आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर उनसे मिले। पीएम मोदी ने आवास के गेट पर वेंस परिवार को रिसीव किया। उन्होंने वेंस, उनकी पत्नी उषा और तीनों बच्चों- इवान, विवेक और मिराबेल को अपने आवास का गार्डन दिखाया। पीएम ने बच्चों को मोरपंख भेंट किए। इसके बाद पीएम ने वेंस और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। इस बैठक में बाइलेट्रल ट्रेड डील, ऊर्जा, रक्षा और स्ट्रेटिजिक टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई। जेडी वेंस सोमवार सुबह 10 बजे परिवार के साथ 4 दिन के दौरे पर भारत पहुंचे। वेंस का प्लेन सुबह 9-45 बजे दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर उतरा। यहां केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उन्हें रिसीव

किया। एयरपोर्ट पर ही उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वेंस, उनकी पत्नी और बच्चों के सामने कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य पेश किया। इसके बाद वेंस परिवार के साथ दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर गए। वे वहां करीब 1 घंटे रुके। उपराष्ट्रपति बनने के बाद यह जेडी वेंस का पहला आधिकारिक भारत दौरा है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने परिवार संग किया अक्षरधाम मंदिर का दौरा

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अपनी पत्नी उषा और बच्चों इवान, विवेक, मिराबेल के साथ भारत की चार दिवसीय यात्रा के पहले दिन नई दिल्ली के स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर का भ्रमण किया। दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने के बाद वेंस परिवार सीधे इस विश्व प्रसिद्ध मंदिर पहुंचा। उन्होंने भारतीय कला, हिंदू वास्तुकला और सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखा।

सांध्यप्रकाश विशेष

विकसित भारत केवल सपना नहीं एक साझा राष्ट्रीय मिशन है : वित्त मंत्री

नई दिल्ली । 2047 तक भारत को विकसित बनाने की यात्रा केवल एक आकांक्षा या सपना नहीं है, बल्कि एक साझा राष्ट्रीय मिशन है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगले दो दशक में सतत वृद्धि के लिए भारत की कोशिशें एक नए आदर्श पर टिकी है। यह साहसिक सुधारों,

बढ़ी हुई घरेलू क्षमताओं और उभरते वैश्विक परिदृश्य के अनुकूल रणनीतिक संस्थागत सहयोग पर आधारित है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी कैलिफोर्निया के हूवर इंस्टीट्यूशन में बोलते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि पिछले दो केंद्रीय बजटों ने सभी क्षेत्रों में एक स्पष्ट नीति और एजेंडे के साथ बदलाव का आधार तैयार किया है। वित्त मंत्री के अनुसार, पिछले दशक में सरकार ने संरचनात्मक सुधार किए हैं। 20,000 से अधिक नियमों को युक्तिसंगत बनाया गया है। व्यापार से जुड़े कानूनों को अपराधमुक्त किया गया है और टकराव को कम करने के लिए सार्वजनिक सेवाओं का डिजिटलीकरण किया गया है। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास पर महत्वपूर्ण जोर देने से पिछले 10 वर्षों में निवेशकों का विश्वास मजबूत हुआ है और विनिर्माण आधारित विकास के लिए मजबूत आधार तैयार हुआ। सीतारमण ने कहा कि 2017-18 और 2025-26 के बजट के बीच केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय में चार गुना से अधिक की वृद्धि से यह संभव हुआ। उन्होंने कहा, ÷विभिन्न राज्य सरकारों की ओर से व्यवसाय सुधार से जुड़ी कार्य योजना के क्रियान्वयन के हमारे अनुभव ने यह जाहिर किया है कि विनियमन में ढील औद्योगिक विकास के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक है।

हम ब्रह्मांड में अकेले नहीं, इस ग्रह पर भी जीवन के चिन्ह मिले खोजने वाला भी भारतीय वैज्ञानिक

लंदन। पृथ्वी से सात सौ ट्रिलियन मील दूर स्थित ग्रह के2-18बी पर जीवन के संकेत मिले हैं। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के भारतीय वैज्ञानिक निक्कू मधुसूदन ने दावा किया है कि इस ग्रह के वायुमंडल में ऐसे रसायन मिले, जो सिर्फ जीवित जीवों द्वारा ही उत्पन्न होते हैं। हालांकि, अभी इसकी पुष्टि होना बाकी है। यह खोज ब्रह्मांड में जीवन की संभावनाओं के नए दरवाजे खोल सकती है। सदियों से इंसान इस सवाल से जूझता आया है कि क्या हम इस ब्रह्मांड में अकेले हैं? अब इस रहस्य पर से पर्दा उठता नजर आ

रहा है। वैज्ञानिकों को पृथ्वी से 700 ट्रिलियन मील दूर स्थित एक ग्रह के2-18बी नाम के ग्रह पर ऐसे संकेत मिले, जो जीवन की संभावनाओं की ओर इशारा करते हैं। यह ग्रह पृथ्वी से ढाई गुना बड़ा है। इसके वातावरण की जांच कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की टीम कर रही है। के2-18बी के वायुमंडल में वैज्ञानिकों को डाइमिथाइल सल्फाइड और डाइमिथाइल डाइसल्फाइड जैसे केमिकल एलिमेंट्स मिले, जो आमतौर पर पृथ्वी पर केवल जीवित जीवों, जैसे फाइटोप्लांकटन और बैक्टीरिया, द्वारा उत्पन्न किए जाते हैं। अभी इन संकेतों को अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता। लेकिन, प्रमुख रिसर्चर प्रोफेसर निक्कू मधुसूदन का मानना है कि अगले एक या दो सालों में यह साबित किया जा सकेगा कि के2-18बी पर जीवन की मौजूदगी संभव है।

संविधान का जितना मजाक कांग्रेस ने उड़ाया, उतना किसी ने नहीं: विजयवर्गीय

रायपुर। भारत रत्न भीमराम आंबेडकर के सम्मान में आयोजित राजनांदगांव में आयोजित भाजपा के कार्यक्रम में शामिल होने रायपुर पहुंचे

मध्यप्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से संविधान बचाओ अभियान के लिए कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि जो अपनी जेब में संविधान की किताब लेकर घूम रहे हैं, मूल उसमें है क्या? उन्होंने कहा कि संविधान की धज्जियां कांग्रेस ने उड़ाई है, आपातकाल लगाया, और जब यूपीए की सरकार थी तब उनके नेता ने बिल की कॉपी फाड़ी थी। अब वहीं नेता देश के संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ विदेश में बयान दे रहे हैं। इससे क्या देश का सम्मान बढ़ेगा। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भाजपा के अंबेडकर के सम्मान में 10 दिवसीय कार्यक्रम को लेकर कहा कि मैं राजनांदगांव जा रहा हूं। देश में सभी नेता अलग-अलग स्थान पर जा रहे हैं। वहां पर लोगों के सामने ये सच लाएंगे कि कैसे कांग्रेस ने बाबा साहब के साथ धोखा किया है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक सम्पन्न, कई प्रस्तावों लगी मुहर

मप्र में 1 मई से होंगे तबादले

अगले हफ्ते आएगी पॉलिसी, सीएम ने शिक्षण सत्र खत्म होने के बाद तबादलों की वजह भी बताई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में भोपाल में हुई कैबिनेट बैठक में कई निर्णय लिए गए। बैठक में तबादला नीति पर बड़ा फैसला हुआ। तय हुआ है कि प्रदेश में 1 से 31 मई तक तबादले होंगे। मुख्यमंत्री ने नीति तैयार करने के लिए निर्देश जारी कर दिए हैं। अगली कैबिनेट बैठक में तबादला नीति 2025 प्रस्तुत की जाएगी। मध्य प्रदेश में सरकार नई ट्रांसफर पॉलिसी अगली कैबिनेट में पेश करेगी। भोपाल में मंगलवार 22 अप्रैल को हुई कैबिनेट में ट्रांसफर पॉलिसी पर चर्चा में यह राय बनी की नई ट्रांसफर पॉलिसी 1 में से लागू होगी और यह प्रदेश में 31 में तक प्रभावी रहेगी। इसका मतलब यह है कि प्रदेश में सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों के तबादले एक में से 31 में के बीच किए जाएंगे। 31 में के बाद से प्रदेश में तबादलों पर पाबंदी लग जाएगी और सिर्फ जरूरी तबादले ही सरकार की विधिवत मंजूरी लेकर किया जा सकेंगे।

कैबिनेट में फैसला लिया गया कि टाइगर बफर जोन में मुठभेड के चलते दुर्घटनों को कम करने के लिए 145 करोड़ रुपए के विकास कार्य किए जाएंगे।

ग्वालियर में पहला टेलीकॉम मेनुफेक्चरिंग जोन

सीएम मोहन यादव ने कहा कि ग्वालियर में देश का पहला टेलीकॉम मेनुफेक्चरिंग जोन बन सके। इसके लिए राज्य शासन ने अपनी सहमति भारत सरकार को भेज दी है। इसमें उम्मीद है कि भारत सरकार की स्वीकृति के बाद 12 हजार करोड़ के निवेश की संभावना है। इससे 5 हजार रोजगार के अवसर बनेंगे।

गेहूं उपार्जन में 175 रुपए बोनस राशि जोड़ी

सीएम मोहन यादन ने यह भी बताया कि गेंहू उपार्जन 50 लाख मीट्रिक टन हो चुका है। इसमें जो 2425 रुपए समर्थन मूल्य है, इसमें 175 रुपए बोनस का जोड़ा गया है। इस तरह प्रति क्विंटल 2600 रुपए में का भुगतान किया जाएगा। किसानों ने अपनी उपज को बढ़चढ़ खरीदी केंद्र में पहुंचाया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान आनंदमयी: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा, ÷पूरे प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत खेत, तालाब, नदी, पोखर, झरने, अलग-अलग जल संरचना पर एक साथ काम चल रहा है।

सभी अलग-अलग जनप्रतिनिधि अपने स्तर से और प्रभारी मंत्री अपने जिले से लगातार इस मिशन का हिस्सा बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत अमृत सरोवर भी बड़ी संख्या में बनाए जा रहे हैं। जल के प्रति ये जागरूकता अभियान आनंददायी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों में से यह एक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश के लिए जल संरक्षण पर किए गए इस काम के लिए सभी को बधाई देता हूं और उम्मीद करता हूं कि 30 जून तक हमारा ये अभियान एक महाअभियान के रूप में होगा...

मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना के आवेदन प्रक्रिया हुई ऑनलाइन

मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना के आवेदन प्रक्रिया को ऑनलाइन कर आसान बना दिया गया है। कल्याणी महिला (विधवा महिला) सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के विवाह पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकती है।प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण सशक्तिकरण ने बताया कि प्रदेश में निवासरत कल्याणी बहनों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से वर्ष 2018 से मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना संचालित की जा रही है।

इंदौर में 27 अप्रैल को एमपीटेक कॉन्क्लेव

27 अप्रैल को इंदौर में एमपीटेक कॉन्क्लेव होगी। 500 से अधिक कंपनियां भाग लेगीं। - किसानों के खातों में 10 हजार 562 करोड़ रुपए की राशि भेजी जा चुकी है। - 5 मई तक किसानों से 60 लाख मैटिक टन गेहूं का उपार्जन हो जाएगा। सीएम मोहन यादव ने ग्रीष्म काल में पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। सीएम यादव ने सभी मंत्रियों को पेयजल की व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

भारत में आज से तीन दिन का राजकीय शोक घोषित

नई दिल्ली एजेंसी। पोप फ्रांसिस के निधन पर भारत सरकार ने देशभर में तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। गृह मंत्रालय ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि महामहिम पोप फ्रांसिस, सर्वोच्च धर्मगुरु का सोमवार, 21 अप्रैल को निधन हो गया। उनके सम्मान में भारत में तीन दिन का राजकीय शोक मनाया जाएगा। गृह मंत्रालय के अनुसार, राजकीय शोक का पहला चरण दो दिनों का होगा, जो मंगलवार, 22 अप्रैल और बुधवार, 23 अप्रैल को लागू रहेगा।

एक देश एक चुनाव, जेपीसी अध्यक्ष पीपी चौधरी बोले- 17 मई से राज्यों का दौरा करेंगे

नई दिल्ली। वक्फ कानून के बाद एक देश, एक चुनाव को लेकर गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) 17 मई से देशभर के राज्यों का दौरा शुरू करने जा रही है। समिति सबसे पहले 17-18 मई को महाराष्ट्र का दौरा करेगी। इसके बाद 19-21 मई तक उत्तराखंड, और जून में जम्मू-कश्मीर, चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा का दौरा किया जाएगा। इस बात की जानकारी जेपीसी के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने मंगलवार को दी। मंगलवार को वन नेशन-वन इलेक्शन पर जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) की बैठक शुरू हुई। बैठक में भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज नेशनल हेराल्ड की लूट लिखा बैग लेकर पहुंची। जेपीसी अध्यक्ष ने समिति के दौरे को लेकर कहा कि चाहे कोई खिलाड़ी हो, कलाकार हो या आम नागरिक, सभी से बात की जाएगी ताकि तय हो सके कि यह योजना देश के लिए फायदेमंद है या नहीं।

इंदौर में फिर हुआ कोरोना अटैक एक महिला की मौत

इंदौर । मध्य प्रदेश के इंदौर में कोरोना महामारी (Covid-19) के दो मरीजों की पुष्टि हुई है। इनमें एक पुरुष और एक महिला है। महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई है। वहीं संक्रमित युवक का अरबिंदो अस्पताल में इलाज जारी है। अब तक की जानकारी के मुताबिक, दोनों मरीज इंदौर के ही हैं। महिला की उम्र 74 साल है, जो किडनी की बीमारी से पीड़ित थी। वहीं युवक लंबे समय से सर्दी-खांसी से पीड़ित था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में आयुष विभाग की समीक्षा बैठक ली।

महादेव घाट पर बड़ा हादसा

पुल से 50 फीट नीचे गिरी बोलेरो, 8 लोगों की मौत

दमोह। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में स्थित महादेव घाट के पास दर्दनाक सड़क हादसा हो गया है। यहां सड़क पर दौड़ती तेज रफ्तार बोलेरो जीप महादेव घाट के पुल पर अनियंत्रित होकर पलटी और सीधे करीब 50 फीट नीचे आ गिरी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे में वाहन में सवार 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को दमोह जिला अस्पताल एवं जबेरा स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया जा रहा है। इनमें से कुछ को जबलपुर भी रेफर किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस बल एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। दमोह जिले के नोहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत बनवार चौकी के समीप महादेव पुल घाट के पास ये हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि, तेज रफ्तार दौड़ती बेलोरो जीप अनियंत्रित होकर पलटी, फिर पुल से नीचे आ गिरी, जिससे जीप सवार करीब 6 से 7 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि, इतने ही लोग गंभीर रूप से घायल हुए है।

सोना पहली बार 1 लाख पर पहुंचा, 24 कैरेट के दाम एक दिन में 3,330 बढ़े

नई दिल्ली एजेंसी। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 3,330 बढ़कर ?1 लाख पर पहुंच गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 96,670 थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत आज 342 गिरकर 95,900 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 96,242 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

साल के आखिर तक 1.10 लाख तक जा सकता है सोना

अमेरिकी-चीन के बीच बढ़ते ट्रेड वॉर और मंदी की आशंकाओं के कारण इस साल सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। इंटरनेशनल रेट के हिसाब से कैलकुलेट करें तो भारत में 10 ग्राम सोने के दाम 1.10 लाख रुपए तक जा सकते हैं। विदेशी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स ने ये अनुमान जारी किया है।

महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली :10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 93,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,500 रुपए है।

मुंबई :10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 92,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,350 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 92,900 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 1,01,350 रुपए है।

चेन्नई :10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 92,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,350 रुपए है।

भोपाल :10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,400 रुपए है।

अध्यात्म चिंतन

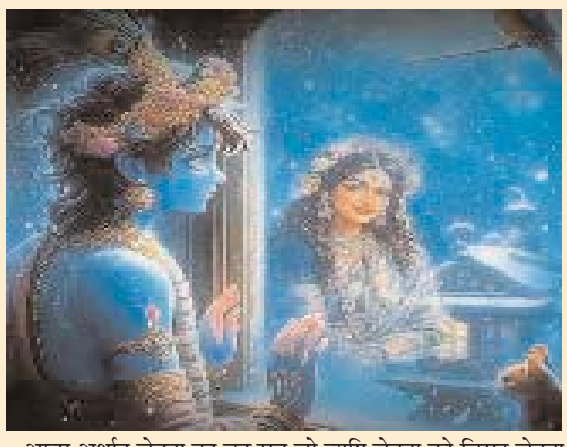

आत्म अर्थात चेतना का वह सूत्र जो व्यष्टि चेतना को विराट चेतना से जोड़ता है । अध्यात्म का चिन्तन एकता का चिन्तन है। अध्यात्म का चिन्तन समग्रता का चिन्तन है। अध्यात्म का चिन्तन वैश्विकता का चिन्तन है, जिसमें केवल मनुष्य ही नहीं पशु-पक्षी और सभी प्राणी होते हैं, नदी, पहाड़ , समुद्र, सूर्य और चन्द्र समस्त चराचर, समस्त विराट प्रकृति शामिल हैं। भगवद्गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहां हैं - प्रजहाति यदा कामान् सर्वान् पार्थ मनोगतान्। आत्मन्येवात्मना तुष्ट: स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते।। अर्थात, जब मनुष्य मन की समस्त कामनाओं का त्याग कर आत्मा में ही संतुष्ट रहता है, तब वह स्थिरप्रज्ञ कहलाता है। अध्यात्म चिंतन का निष्कर्ष मन की शुद्धि, आत्मा का परमात्मा से मिलन, और जीवन के भौतिक बंधनों से मुक्ति। यह ध्यान, स्वाध्याय, और निस्वार्थ कर्म के माध्यम से प्राप्त होता है, जिससे व्यक्ति शाश्वत शांति और मोक्ष को प्राप्त करता है।

रविन्द्र भवन के हंसध्वनि ऑडिटोरियम में दो दिवसी संगीत महोत्सव 26 अप्रैल से

भोपाल। भोपाल एक बार फिर गूंजेगा संगीत की धुनों से, जब इंडीमून्स आर्ट्स फेस्टिवल अपने म्यूज़िक एडिशन के साथ 26 और 27 अप्रैल को रविन्द्र भवन के हंसध्वनि ऑडिटोरियम में आयोजित होने जा रहा है। यह दो दिवसीय भव्य कार्यक्रम भारतीय पॉप-रॉक संगीत का जश्न मनाएगा, जिसमें उभरते हुए कलाकारों से लेकर दिग्गज बैंड तक अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे। इसमें बैंड यूफ़नी का लाइव परफॉर्मेंस ङ्क एक युवा और उभरता हुआ अर्बन रॉक बैंड जो भारतीय जड़ों को आधुनिक संगीत से जोड़ता है। बैंड के प्रमुख हैं सनीश नायर। डॉक्टर पालाश सेन के नेतृत्व में बैंड यूफोरिया ङ्क भारतीय पॉप-रॉक संगीत की पहचान बन चुके इस बैंड ने पिछले दो दशकों में युवाओं के दिलों में अपनी खास जगह बनाई है। बैटल ऑफ द बैंड्स ङ्क मध्यप्रदेश के विभिन्न कॉलेजों और शहरों से आए युवा बैंड्स के बीच एक रोमांचक मुकाबला। विजेता बैंड्स को नकद पुरस्कारों के साथ-साथ भविष्य में प्रदर्शन के सुनहरे अवसर मिलेंगे। इंडीमून्स आर्ट्स फेस्टिवल का उद्देश्य है उभरते हुए कलाकारों को मंच देना, संगीत प्रेमियों को एक साथ लाना और भोपाल को एक सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करना। पिछले एडिशन में शरमन जोशी, पंकज कपूर, नितीश भारद्वाज और मकरंद देशपांडे जैसे दिग्गज कलाकारों की दमदार प्रस्तुतियाँ देखने को मिली थीं। अब संगीत के इस जादुई अनुभव के लिए पूरा शहर तैयार है।

मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने किया विधानसभा सचिवालय का अवलोकन

भोपाल। मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के विधि संकाय के विद्यार्थियों ने सोमवार को मध्यप्रदेश विधानसभा सचिवालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विधान सभा की कार्यवाही को नजदीक से देखा और संसदीय प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण का आयोजन मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के कुलगुरू डॉ. ए.एस. यादव के संरक्षण में किया गया। इस दौरान विधानसभा प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह यादव ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद करते हुए राज्य की राजनीतिक संरचना और लोकतांत्रिक प्रकिया के विषय में गहराई से बताया। विधि संकाय की डीन डॉ. ताई चौरसिया ने बताया कि विद्यार्थियों ने भ्रमण के दौरान राज्य की राजनीति, विधिक प्रक्रिया और उनके महत्व के बारे में जाना। इस दौरान विद्यार्थियों ने समाज और देश के प्रति जिम्मेदार बनने की प्रेरणा भी हासिल की। भ्रमण के सफल आयोजन हेतु मानसरोवर ग्रुप के चीफ एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर गौरव तिवारी ने शुभकामनाएं प्रेषित की। इस दौरान विधि संकाय से डॉ. राजवेन्द्र चौधरी, डॉ. योगेश वामनकर, तन्मय दुबे सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण मौजूद रहे।

सेवा भारती अन्नपूर्णा भोजन केंद्र को रोटी मशीन और ई रिक्शा भेंट

भोपाल। सेवा भारती नानक मंडल द्वारा जवाहरलाल नेहरू कैंसर चिकित्सालय में विगत सात वर्षों से प्रतिदिन 350 से अधिक मरीजों एवं मरीज के परिजनों हेतु निशुल्क भोजन वितरण किया जा रहा हे मरीजों को ओर अधिक उत्तम व्यवस्था हेतु श्री पुष्प हरि मीरचंदानी ट्रस्ट मुंबई द्वारा रोटी मेंकिंग मशीन और ई रिक्शा विधायक भगवान दास सबनानी एवं ट्रस्ट अध्यक्ष किशोर मीरचंदानी ने सेवा भारती महानगर अध्यक्ष शिव मंगल सिंह, नानक मंडल अध्यक्ष अमित जैन तड़ैया,सचिव चेतन पटेल और केंद्र प्रभारी मुकेश शर्मा को एक समारोह में भेंट की इस अवसर पर मुख्य वक्ता सेवा भारती मध्यभारत प्रान्त संगठन मंत्री सुरेन्द्र सोलंकी ने सेवा भारती के द्वारा किए जा रहे मातृ छाया और आनन्द धाम एवं सेवा बस्तियों में संस्कार केंद्र सहित विभिन्न सेवा कार्यों पर प्रकाश डाला इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि समाजसेवी संजय पटेल, ईश नारायण शर्मा, पार्षद प्रियंका अनिल मिश्रा और अतिथियों का स्वागत किया। सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया ने बताया यह प्रकल्प कोरोना काल में भी बगैर अवकाश के आज दिनांक तक निरंतर जारी हे कार्यक्रम का सफलतम संचालन सेवा भारती के वरिष्ठ पदाधिकारी नवनीत अग्रवाल और आभार सचिव चेतन पटेल ने जताया इस अवसर पर बी. के सांघी, श्री सुनील, डॉ धनीराम पवार,दुर्वेश मालवीय, मुकेश अवस्थी,अजय अग्रवाल लाला, प्रेम नारायण शर्मा,मनोज शर्मा, पूर्णकालिक दिनेश पवार,अशोक सांकले तृप्ति अग्रवाल,मीरा कांटे वाला,गुंजन मिश्रा,हनीश माधवानी,संजीव भारले,सुभाष जैन चाचा रोहित जैन आदि उपस्थित थे।

नवजात व शिशु मृत्युदर में कमी के लिए गांधी मेडिकल कॉलेज की पहल

आईसीएमआर एवं एचआईएमएस के सहयोग से हुई प्रशिक्षण कार्यशाला

भोपाल। शिशु रोग विभाग, गांधी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, भोपाल द्वारा भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के तत्वावधान में एवं हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (एचआईएमएस), देहरादून के सहयोग से प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 21 एवं 22 अप्रैल को किया जा रहा है। इस दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ अधिष्ठाता डॉ कविता एन. सिंह ने किया। डॉ कविता एन. सिंह ने बताया कि यह कार्यशाला प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण बाल स्वास्थ्य सेवाओं के सशक्तीकरण की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल है। गर्भवती महिलाओं की बेहतर देखभाल और सुविधा को ध्यान में रखते हुए, गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल के सुलतानिया प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा एक नई पहल की गई है। अब कम जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की ओपीडी को गर्भावस्था की अवधि के आधार पर दो समूहों में विभाजित किया गया है जिसमें गर्भावस्था 5 माह से कम, गर्भावस्था 5 माह से अधिक। इस नवाचार का उद्देश्य ओपीडी में भीड़ को नियंत्रित करना, गर्भवती माताओं को लंबी प्रतीक्षा से राहत देना और सभी महिलाओं को समय पर तथा गुणवत्तापूर्ण परामर्श प्रदान करना है। यह नई व्यवस्था उन महिलाओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी होगी जो नियमित रूप से प्रसवपूर्व जांच हेतु आती हैं। इस व्यवस्था के अंतर्गत, कम प्रतीक्षा समय सुनिश्चित किया गया है जिससे न केवल गर्भवती महिलाओं को सहूलियत होगी, बल्कि चिकित्सकों को भी प्रत्येक मरीज को पर्याप्त समय देने का अवसर मिलेगा। इससे समग्र स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। यह जनहितैषी और महिला-केंद्रित निर्णय डॉ. कविता एन. सिंह, डीन, गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल एवं डॉ. शबाना सुलतान, विभागाध्यक्ष, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग, जीएमसी भोपाल के कुशल नेतृत्व में लिया गया है। हम सभी गर्भवती महिलाओं से अपील करते हैं कि वे अपनी गर्भावस्था की अवधि के अनुसार ओपीडी में उपस्थित होकर इस सुविधा का लाभ लें और प्रसवपूर्व देखभाल करें।

भगवान देवनारायण का विवाह धूमधाम से हुआ

भोपाल। भगवान देवनारायण का विवाह बड़ी धूमधाम से संपन्न हुआ संत श्री सांवरिया गुर्जर ने कथा के छठवें दिवस श्री देवनारायण कथा में कई लीलाओं का वर्णन किया एवं विवाह का वर्णन सुनाया कथा बिलखिरिया खुर्द बैरागढ़ चीचली के पास चल रही आयोजक सुमित मीणा, अमित मीणा ने बताया की कथा 16 से प्रारंभ और 22 तारीख को विशाल भंडारे के साथ समापन होगी।

नारायण मिशन का दूसरा वार्षिक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न

भोपाल। श्री नारायण मिशन (एसएनएम) ने भोपाल स्थित शारदा मठ, श्री नारायण गुरु मंदिर में 19 से 23 अप्रैल 2025 तक माँ शारदा के दूसरे वार्षिक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव (पंचलोह प्रतिष्ठा) का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह पाँच दिवसीय आध्यात्मिक आयोजन, जो माँ शारदा की दिव्य कृपा से सुशोभित था, आध्यात्मिक उन्नति की अभिलाषा रखने वाले भक्तों की विशाल सभा का साक्षी बना। आयोजन में गहन भक्ति और सामुदायिक एकता का समन्वय देखने को मिला। एसएनएम के महासचिव श्री बी. राजू ने पवित्र अनुष्ठानों के श्रद्धापूर्ण और विधिवत् निष्पादन पर प्रकाश डाला, जिनमें गणपति होमम, गुरु पूजा, शारदा पुष्पांजलि, कलश पूजा और देवी पूजा शामिल थे। इन अनुष्ठानों का संचालन श्री राजेश तांत्रिकाल और श्री संतोष शांतिकाल द्वारा पूर्ण निष्ठा और कुशलता के साथ किया गया। श्री नारायण मिशन यूथ विंग, जिसके अध्यक्ष श्री गिरीश रविंद्रन और सचिव श्री सचिन सत्यशीलन हैं, ने उत्साहपूर्ण और सक्रिय भागीदारी के साथ इस महोत्सव को आस्था और उल्लास का प्रतीक बनाया। कार्यक्रम के चलते हुए आज तीसरे दिन भी बच्चों के लिए रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई जिसमें कम से कम 25 से 30 बच्चों ने भाग लिया एवं मित्र नाटिका प्रस्तुत की गई बच्चों ने तो गीत गाकर सभी व्यक्तियों का मन जीत लिया।अंत में विशेष भंडारा का आयोजन भी किया गया जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने भाग लिया एवं प्रसाद ग्रहण किया तत्पश्चात मिशन के अध्यक्ष व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में संकाय सदस्यों के लिए नेतृत्व विकास सत्र आयोजित

संत हिरदाराम नगर। भोपाल के संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के सहयोग से प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ ने संकाय सदस्यों के लिए नेतृत्व विकास पर एक ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन किया, जिसमें संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्ण भाग लिया। सत्र के विशिष्ट वक्ता अश्विनी कुमार राव, चीफ ह्यूमन रिसोर्स ऑफिसर थे, जिन्होंने टीमों का प्रबंधन और कार्यस्थल पर सफल होना। विषय पर अपने विशाल अनुभव और विशेषज्ञता को साझा किया। अश्विनी कुमार राव ने टीम प्रबंधन में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और प्रभावी संचार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने गतिशील शैक्षणिक वातावरण में नेतृत्व गुणों को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक उपकरण और तकनीकें भी प्रदान कीं। सत्र में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि कैसे संकाय सदस्य सक्रिय नेता और कुशल टीम खिलाड़ी बनकर संस्थागत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अपने प्रेजेंटेशन के दौरान, राव ने नेतृत्व और सफलता में योगदान देने वाले कई प्रमुख सिद्धांतों पर जोर दिया। उन्होंने आज के लगातार बदलते परिदृश्य में प्रासंगिक बने रहने के लिए अपस्किलिंग के महत्व, शिक्षण के माध्यम से दूसरों को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और आत्म-संतुष्टि के खतरों के बारे में चेतावनी दी।

तेजस्वी कार्यक्रम में 1 करोड़ की सीड मनी का वितरण

नवाचार प्रदर्शनी और 100 बेस्ट आइडियाज़ पुस्तिका का विमोचन

भोपाल। आज के विद्यार्थी केवल नौकरी के आकांक्षी नहीं, बल्कि अवसरों के सृजनकर्ता बनने चाहिए। हमें ऐसे शिक्षा मॉडल की ज़रूरत है जो उनमें आत्मविश्वास, नवाचार और उद्यमशीलता का बीज बोए। यह संदेश मध्यप्रदेश के शिक्षा मंत्री माननीय उदय प्रताप सिंह ने तेंदूखेड़ा की जवाहर कृषि उपज मंडी में सहयोगी संस्था उद्यम लर्निंग फाउंडेशन के तेजस्वी कार्यक्रम 2024-25 के अंतर्गत आयोजित भव्य सीड मनी वितरण समारोह में दिया। इस विशेष आयोजन में 5000 से अधिक नवाचार करने वाले विद्यार्थियों को कुल 1 करोड़ रुपये की सीड मनी वितरित की गई, जिससे वे अपने व्यावसायिक विचारों और प्रोटोटाइप को साकार रूप दे सकें। छात्रों द्वारा तैयार उत्पादों और समाधानों की नवाचार प्रदर्शनी ने अतिथियों को अत्यंत प्रभावित किया। इस कार्यक्रम की सफलता के पीछे उद्यम लर्निंग फाउंडेशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जो मध्यप्रदेश शिक्षा विभाग के साथ मिलकर तेजस्वी कार्यक्रम का क्रियान्वयन कर रही है। यह कार्यक्रम राज्य के सरकारी स्कूलों के माध्यम से छात्रों में उद्यमशीलता, समस्या समाधान, निर्णय क्षमता और स्वावलंबन जैसे गुणों को विकसित करने का कार्य कर रहा है। इस अवसर पर %100 बेस्ट आइडियाज़' नामक पुस्तिका का विमोचन भी हुआ, जिसमें ज़िले भर से चयनित श्रेष्ठ व्यावसायिक विचारों को संकलित किया गया है। यह पुस्तिका छात्रों की रचनात्मक सोच, जमीनी समस्याओं को सुलझाने की क्षमता और आत्मनिर्भरता के जज़्बे को दर्शाती है। शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक, ग्राम प्रतिनिधि और स्कूलों के प्राचार्य बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में शामिल हुए। यह आयोजन न केवल छात्रों के विचारों को समर्थन देता है, बल्कि प्रदेश में शिक्षा को रोज़गार से आगे बढ़ाकर रोजगार-निर्माण की दिशा में ले जाने का प्रयास भी है।

पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी के लिए बच्चों के लिए सीड बॉल्स बनाने का हुआ कार्यक्रम

संत हिरदाराम नगर। विमल विद्या मंदिर डी.के.बी. कॉन्वेंट स्कूल एवं अर्श वूमेन एनवायरनमेंट वेल्फेयर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में सीड बॉल्स बनाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों, शिक्षकों और अर्श फाउंडेशन की टीम ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के दौरान, सभी ने मिलकर एक हजार से अधिक सीड बॉल्स बनाए। टीम के सदस्यों ने बताया कि इन सीड बॉल्स को बरसात के मौसम में ऐसे स्थानों पर डाला जाएगा जहां वन क्षेत्र कम है, ताकि बरसात में वहां एक नया वन विकसित हो सके। स्कूल में इस कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य यह था कि स्कूल के बच्चे अभी से पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझें और अपने घर के अन्य सदस्यों को भी इसके बारे में जागरूक करें। इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझने और उसमें योगदान देने का अवसर मिला। सीड बॉल्स बनाने में स्कूल की प्रचार्या हर्षिता शास्त्री, शिक्षिकाएं उषा सिंह, ज्योति कुमारी, मिलन कुंवर, शीलमनी, अंकिता, राधिका, अल्फिया एवं अर्श फाउंडेशन की ओर से शिवम गोहदिया, सतीश कुशवाहा, सौरभ बाथम, करिश्मा वैष्णव, विकास अहिरवार, बंटी चौरे उपस्थिति थे।

आईसेक्ट के ग्रामीण स्तर पर उद्यमिता और कौशल विकास को बढ़ावा देने वाले प्रयासों की मंत्री ने की सराहना

भोपाल। भारत का अग्रणी सामाजिक उद्यम आईसेक्ट द्वारा चौथे समर्थ भारत कॉन्क्लेव - 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस कॉन्क्लेव का विषय विकसित भारत के निर्माण में कौशल विकास, वित्तीय समावेशन और सामाजिक उद्यमिता की भूमिका है। इस दो दिवसीय कॉन्क्लेव का उद्घाटन सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे हॉल में मप्र शासन के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ल द्वारा किया गया।

वे कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम के अन्य अतिथियों में एनएसडीसी के प्रबंधक साहिल गोयल, एनएसडीसी में सलाहकार डॉ. किरण रजना, आईसेक्ट समूह के चेयरमैन संतोष चौबे, एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, आईसेक्ट विश्वविद्यालय समूह की निदेशक डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलगुरू डॉ. विजय सिंह और रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलगुरू डॉ. आरपी दुबे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अपने वक्तव्य में राकेश शुक्ला ने आईसेक्ट के ग्रामीण स्तर पर उद्यमिता और कौशल विकास को बढ़ावा देने वाले प्रयासों की सराहना की और बताया कि मध्य प्रदेश शासन भी लगातार अपने प्रयासों एवं योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्र को सशक्त बनाने का प्रयास कर रही है। आईसेक्ट को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अधिक से अधिक स्किल संबंधी कोर्सेज का संचालन का प्रयास किया जाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने सरकार के प्रत्येक जिले में आईटीआई स्थापित किए जाने की पहल, नर्मदा नदी पर विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा योजनाओं, मुरैना की सोलर बिजली परियोजना एवं पंप पर किसानों को सब्सिडी के जरिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में किए जा रहे कार्यों से अवगत कराते हुए मध्य प्रदेश को तेजी से विकसित राज्य बनाने की प्रतिबद्धता को दोहराया। डॉ. किरण रजन्ना ने अपने वक्तव्य में स्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा दिए जाने पर जोर दिया और यह बताया कि कैसे एनएसडीसी आईसेक्ट के साथ मिलकर देशभर में स्किल कोर्सेज का संचालन कर विविध छात्रों को सशक्त बनाने का काम कर रही है।

विभिन्न श्रेणियों में एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर, बेस्ट वूमन एंटरप्रेन्योर, अपकमिंग एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर, बेस्ट वोकेशनल ट्रेनर ऑफ द ईयर अवार्ड प्रदान किए गए। इसके अलावा आईसेक्ट समूह द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ एमओयू हस्तांतरण किए गए।

मुख्यमंत्री ने निभाई शिक्षक की भूमिका और भावी वैज्ञानिकों से किया संवाद

मुख्यमंत्री ने किया विज्ञान मंथन यात्रा का शुभारंभ

प्रदेश के 375 भावी वैज्ञानिकों का हुआ चयन, वंदे भारत ट्रेन से होगी यात्रा

भावी वैज्ञानिक नई दिल्ली एवं चंडीगढ़ के प्रतिष्ठित 11 संस्थानों का करेंगे भ्रमण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार की शाम मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (मैपकॉस्ट) की 17वीं विज्ञान मंथन यात्रा का मुख्यमंत्री निवास परिसर से शुभारंभ किया। उन्होंने इस यात्रा के लिए चयनित प्रतिभाशाली भावी वैज्ञानिक बच्चों को बधाई देते हुए उनके साथ संवाद भी किया। उन्होंने एक शिक्षक के रूप में बच्चों से सवाल-जवाब भी किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर विद्यार्थियों के साथ मुख्यमंत्री निवास परिसर से टेलीस्कोप द्वारा विभिन्न ग्रहों को देखा। उन्होंने विद्यार्थियों से अंतरिक्ष विज्ञान पर विस्तार पूर्वक संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैं आप सभी के बीच मुख्यमंत्री या किसी शिक्षक नहीं मित्र के रूप में उपस्थित हूँ। आपके जीवन के लिए यह विज्ञान मंथन यात्रा उपयोगी सिद्ध होगी। पाठ्य पुस्तकों के अध्ययन के साथ विद्यार्थी जब विज्ञान से जुड़े नामी-गिरामी संस्थानों का प्रत्यक्ष अवलोकन कर वहां की कार्य पद्धति की जानकारी प्राप्त करते हैं तो यह ज्ञान सिर्फ नौकरी के लिए नहीं बल्कि जीवन के लिए उपयोगी सिद्ध होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मानव शरीर और प्रकृति का भी समन्वय है। मनुष्य के जन्म से लेकर मृत्यु तक सभी प्रक्रियाएं जानने और समझने का विषय है। प्राण भी 5 प्रकार के हैं, जो श्वसन प्रणाली, हृदय, वाणी, पाचन प्रणाली, उत्सर्जन और प्रजनन प्रणाली और मांसपेशी के साथ परिसंचरण प्रणाली के रूप में जाने जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैपकॉस्ट जैसी संस्थाएं विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक ज्ञान उपलब्ध करवाने की दिशा में सार्थक भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बच्चों से प्रश्न किए कि पृथ्वी और चंद्रमा में से परिक्रमा कौन करता है? ग्रह और उपग्रह में क्या अंतर है? गुरुत्वाकर्षण शक्ति क्या है? ग्रहों की परस्पर दूरी का आकलन किस तरह होता है? विद्यार्थियों के सारगर्भित उत्तर से मुख्यमंत्री डॉ. यादव बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने यात्रा के लिए चयनित विद्यार्थियों के ज्ञान स्तर की प्रशंसा की। अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग श्री संजय दुबे, मैपकॉस्ट के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संचालक श्री अशोक कड़ेल, विभिन्न विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों के कुलगुरू एवं पदाधिकारी, शिक्षकगण उपस्थित थे। विज्ञान मंथन यात्रा पर जाने वाले विद्यार्थियों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद् द्वारा आयोजित स्कॉलरशिप परीक्षा में भाग लेने का अवसर भी मिलेगा। परीक्षा में सफल होने वाले प्रत्येक कक्षा के 20 चयनित विद्यार्थियों को 5 वर्ष तक 12 हजार रुपए प्रति वर्ष की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। यात्रा के लिए इस वर्ष कक्षा 10वीं से 12वीं विज्ञान विषय में अध्ययनरत पूरे प्रदेश के कुल 375 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। इन चयनित विद्यार्थी में से दिल्ली जाने वाले समूह में प्रौद्योगिकी परिषद के आमंत्रण पर नेशनल साइंस सेन्टर, नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ प्लांट जीनोमिक रिसर्च, इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीटयूट, राष्ट्रपति भवन और नई दिल्ली के संस्थानों का भ्रमण करेंगे।

चंडीगढ़ जाने वाले समूह के विद्यार्थी सेन्ट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रुमेंटस ऑर्गेनाइजेशन, इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, पंजाब स्टेट काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ फॉर्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, गवर्नमेंट म्युजियम एंड आर्ट गैलरी संस्थानों का भ्रमण और वैज्ञानिकों से साक्षात्कार करेंगे। विद्यार्थी वन्दे भारत ट्रेन से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। दिल्ली पहुँचने पर विज्ञान भारती द्वारा इन सभी भावी वैज्ञानिकों का स्वागत किया जायेगा। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् ने स्कूली छात्र-छात्राओं में प्रदेश की भावी वैज्ञानिकों को तलाशने और उनमें विज्ञान शिक्षा के प्रति रुझान पैदा करने के लिए गत 16 वर्ष से मिशन एक्सीलेंस का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रदेश से चयनित विद्यार्थियों के दल को किताबी ज्ञान से अलग व्यावहारिक विज्ञान की दुनिया से रूबरू कराया जायेगा। विज्ञान मंथन यात्रा का मुख्य उद्देश्य उन प्रतिभावान विद्यार्थियों को, जिनमें विज्ञान के प्रति अभिरुचि है, उनकी पहचान करना एवं उनके द्वारा चयनित क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिये प्रोत्साहित करना है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से चलाये जाने वाले इस कार्यक्रम से चयनित विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर उनकी वैज्ञानिक प्रतिभा को चिन्हित कर अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से आगे बढ़ाए जाने का कार्य किया जा रहा है।

लाड़ली बहनों को मिलेंगे 11 लाख के इनाम, सामर्थ्य और सौंदर्य का होगा सम्मान

भोपाल। आज का वक्त महिलाओं का है...वे महिलाएं, जो कभी घर की चारदीवारी में सीमित समझी जाती थीं, आज हर क्षेत्र में परचम लहरा रही हैं। लाड़ली बहनों ने हर भूमिका में खुद को साबित किया है, मगर हर हुनरमंद बहन को उसकी पहचान दिलाने के लिए सबसे जरूरी होता है एक मंच और अब वह मंच तैयार हो चुका है। जी हां, लाड़ली बहनों की प्रतिभा को पहचान दिलाने के लिए जल्द ही होने जा रहा है सामर्थ्य और सौंदर्य का उत्सव। इस अभियान का उद्देश्य घर-परिवार, समाज और डिजिटल दुनिया में बहनों की उस छुपी हुई कला और हुनर को सबके सामने लाना है, जिसे शायद अब तक कोई मंच नहीं मिला। सबसे खास यह है कि बहनें इस अभियान के जरिए 11 लाख रुपए तक के इनाम जीत सकती हैं। इस अभियान का शुभारंभ 22 अप्रैल 2025, मंगलवार को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे।राजधानी भोपाल के प्रशासन अकादमी स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में होने वाले इस विशेष कार्यक्रम में एमपी की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके और जानी-मानी बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर श्रद्धा पंडित विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। छतरपुर जिले की प्रसिद्ध सोशल मीडिया इन्फ्लूऐंसर बिन्नू रानी अपनी बुंदेली बोली में चुलबुली बातों से सबको गुदगुदाएंगी। भोपाल की सिंगर आकृति मेहरा सुरीली आवाज से समां बांधेंगीं। शाम 5 बजे सैकड़ों लाड़ली बहनों की उपस्थिति में मुख्यमंत्री डॉ.यादव इस अभियान के आधिकारिक लोगो का अनावरण करेंगे और इसी के साथ महिलाओं की इस रचनात्मक प्रतियोगिता की औपचारिक शुरुआत हो जाएगी। यह प्रतियोगिता 22 अप्रैल 2025 से शुरू होकर 22 जून 2025 तक चलेगी। 1 जुलाई को इसका भव्य समापन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें विजेता लाड़ली बहनों को 11 लाख रुपए तक के इनाम से नवाजा जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए महिलाओं को अपने टैलेंट की छोटी-सी वीडियो रील बनानी होगी और तय प्रक्रिया के तहत भेजनी होगी। खास बात ये है कि प्रतियोगिता के लिए कोई सीमाएं नहीं हैं, आप जो भी करती हैं, वही आपकी पहचान बन सकता है। जैसे, डांस, मिमिक्री, भजन या कोई गाना, शायरी या कॉमेडी, स्पोर्ट्स या गेम एक्टिविटी, एक्टिंग या पेंटिंग, फैशन डिजाइनिंग, हैंडक्राफ्ट, योग या फिटनेस, म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट बजाना, मेकअप आर्ट, किचन गार्डनिंग, होम डेकोर, मूर्ति निर्माण, खेती-किसानी या आपकी कोई अन्य खास कला... हर हुनर को यहां सम्मान मिलेगा। 22 अप्रैल की रात 9 बजे इस प्रतियोगिता की शुरुआत हो जाएगी। इसमें बस एक फॉर्म भरकर आप इस प्रतियोगिता का हिस्सा बन सकती हैं। इसी खबर में आपको एक वीडियो भी मिलेगा, जिससे देखकर आप प्रतियोगिता से जुड़ी सारी जानकारी (नियम, शर्तें, इनाम आदि) देख और सुन भी सकते हैं।

35 जनपद में सर्जरी, भोपाल-जबलपुर-ग्वालियर से 22 अफसर हटे, मैदानी जिलों में भेजा

भोपाल। मप्र के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने 35 जनपद पंचायत सीईओ(मुख्य कार्यपालन अधिकारी) के तबादले किए हैं। इनमें से 22 अधिकारी ऐसे हैं जो भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, सागर जैसे बड़े शहरों में पदस्थ थे। इन्हें अब मैदानी जिलों में भेजा गया है।

इन अफसरों की बड़े शहरों से रवानगी

- रंजीत सिंह रघुवंशी(विकास आयुक्त कार्यालय भोपाल) जीरापुर, राजगढ़
- केके रैकवार (पंचायत राज संचालनालय भोपाल) जैतहरी, अनूपपुर
- हेमेन्द्र सिंह चौहान (संभागीय आयुक्त कार्यालय इंदौर) धरमपुरी, धार
- वंदना गंगल (क्षे.ग्रा.वि एवं पंचा. राज प्रशिक्षण केन्द्र ग्वालियर) रौन, भिण्ड
- उदय प्रताप सिंह भदौरिया (राज्य आजीविका मिशन जबलपुर) बिरसा, बालाघाट
- प्रतिमा उईके (महात्मा गांधी रा.ग्रा.वि एवं पंचा राज संस्थान जबलपुर) मंडला
- शिवानी जैन (महात्मा गांधी रा.ग्रा.वि. एवं पंचा राज संस्थान जबलपुर) जयसिंह नगर, शहडोल
- अभिषेक गुप्ता (पंचा. राज संचालनालय भोपाल) बाबई चिचली, नरसिंहपुर
- राजीव लघाटे (महात्मा गांधी रा.ग्रा.वि. एवं पंचा राज संस्थान जबलपुर) बुढ़ार, शहडोल
- रानू जैन (संभागीय आयुक्त कार्यालय सागर) सोहावल, सतना
- आयुषी गोयल (क्षे.ग्रा.वि. एवं पंचा राज प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल) मनासा,नीमच
- दिव्या त्रिपाठी (संभागीय आयुक्त कार्यालय रीवा) सोहागपुर, शहडोल
- तपस्या जैन (विकास आयुक्त कार्यालय भोपाल) गंजबासौदा, विदिशा
- मोना सक्सेना (क्षे.ग्रा.वि. एवं पंचा. राज प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल) निवाली, बड़वानी
- विशाल सोनी (विकास आयुक्त कार्यालय भोपाल) साईंखेड़ा, नरसिंहपुर
- ईश्वर सिंह वर्मा (पंचायत राज संचालनालय भोपाल) बड़ामलहरा, छतरपुर
- पूजा गुप्ता (विकास आयुक्त कार्यालय भोपाल) आलोट, रतलाम
- ममता मिश्रा (संभागीय आयुक्त कार्यालय शहडोल) कोतमा, अनूपपुर
- दीपा कोटस्थाने (क्षे.ग्रा.वि. एवं पंचा राज प्रशिक्षण केन्द्र उज्जैन) गौरिहार, छतरपुर
- आशा देवी पटले (क्षे.ग्रा.वि एवं पंचा राज प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर) सिहोरा, जबलपुर
- रोहित पचौरी (क्षेग्रावि एवं पंचा राज प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर) उमरबन, धार
- प्रवीण बंसोड (विकास आयुक्त कार्यालय भोपाल) त्योंथर, रीवा

गांव स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बने इसके लिए पंच-सरपंच बेहतर कार्य करें: मंत्री पटेल

पंच-सरपंच सम्मेलन उन्मुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने सोमवार को पंच-सरपंच उन्मुखीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह मौजूद थे। मंत्री पटेल ने कहा कि पंचायतीराज की कल्पना भारत में ही की गई थी। इसे महात्मा गाँधी, पं. दीनदयाल उपाध्याय, राम मनोहर लोहिया इन 3 भारतीय विचारकों ने भारतीय राजनीति में दिशा देने का कार्य किया। पंचायतीराज की जो सामुदायिक परिकल्पना है, वह हमारी परंपराओं और हमारे पंच परमेश्वर के दर्शन में है। हमारी पंचायत व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए, जो आत्मनिर्भर व स्वावलंबी हो। उन्होंने कहा कि लोहिया ने कहा जाति की श्रृंखला तोड़ देनी चाहिए। समाज के हर व्यक्ति को बराबर का दर्जा होना चाहिए। उन्होंने पंच-सरपंचों से कहा कि आप अपनी ग्राम पंचायतों के सर्वे-सर्वा हो, यह गांव आपका है। आपको अपने तरीके से सोचना होगा, आपके पास पैसे की कमी नहीं है। पैसे का उपयोग कैसे करेंगे यह आपको सोचना होगा। इससे आपका और आपकी ग्राम पंचायतों का भविष्य बेहतर होगा। मंत्री पटेल ने कहा कि पंचायतों को अपने संसाधनों से आत्मनिर्भर बनाना चाहिए। सभी पंचायतों में सामुदायिकता का भाव होना चाहिए और पंचायतों के लिए पाँच वर्ष के लिए कौन-से कार्य करना है यह सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि तालाब, सड़क, बांध तकनीक को ध्यान में रखकर बनाए जाए। पंचायतों में बेहतर रिकॉर्ड रखने का कार्य दूसरी संस्था नहीं कर सकती है। मंत्री पटेल ने कहा कि नये पंचायत भवन 3 मंजिला बनाये जा रहे हैं, जिसे ग्राम पंचायत द्वारा ही बनाया जाएगा।

मंत्री पटेल ने कहा कि पंचायती राज के अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान सफल होगा, जहाँ नदियों का संगम होगा। हम अपने बच्चों को बचपन से लेकर बड़े होने तक संरक्षण देते हैं। वृक्ष भी हमारे बच्चों को जीवन देने वाला है, इसलिए उसकी सुरक्षा के लिए भी अपना योगदान दें। जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि मंत्री पटेल के मार्गदर्शन में पंचायतों को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

राजा भोज विमानतल पर हुआ मॉक ड्रिल का आयोजन

भोपाल। राजा भोज विमानतल, भोपाल पर सोमवार को वार्षिक एंटी-हाईजैक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य विमान हाईजैक जैसी आकस्मिक परिस्थितियों में त्वरित एवं समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना था। ड्रिल के दौरान एक विमान के अपहरण की प्रतीकात्मक स्थिति को निर्मित किया गया, जिसमें हाईजैक की सूचना प्राप्त होते ही त्वरित और योजनाबद्ध प्रतिक्रिया क्रियान्वित की गई। एटीसी द्वारा विमान के हाईजैक की सूचना प्राप्त होते ही एरोड्रम कमेटी के सभी सदस्यों को तत्काल सूचित किया गया, इसके बाद सभी सदस्य भोपाल विमानतल पर तकनीकी ब्लॉक के द्वितीय तल पर स्थित एरोड्रम कमेटी कंट्रोल रूम में एकत्रित हुए। इस कमेटी की अध्यक्षता अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह विभाग) द्वारा की जाती है, जो कि केन्द्रीय समिति से समन्वय करके त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करती है। इस मॉक ड्रिल का नेतृत्व आईपीएस कृष्णावेणी देशावतु, सचिव, गृह विभाग, की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान विभिन्न सुरक्षा और आपातकालीन एजेंसियों के मध्य बेहतर समन्वय एवं कार्रवाई की वास्तविकता को परखा गया।ड्रिल के दौरान सभी एजेंसियों ने आपसी सहयोग एवं तत्परता का प्रदर्शन किया।

बीज निगम में सेवानिवृत कर्मचारियों की मांग को लेकर धरना दिया

भोपाल। बीज निगम मे सेवानिवृत कर्मचारियों की मांग को लेकर धरना दिया सेवानिवृत अर्द्ध शासकीय अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष अनिल बाजपेई एवं महासचिव अरुण वर्मा सेवानिवृत कर्मचारी आर के वर्मा एस एस तिवारी ने बताया की बीज निगम मे बीज निगम के सेवानिवृत अधिकारी कर्मचारियों सेवानिवृत कर्मचारियों को ग्रेच्युटी एवं अवकाश नगदीकरण तथा समयमान वेतनमान एवं अन्य क्लेम का भुगतान नही करने का कड़ा विरोध एवं असंतोष है जिसकी वजह से बीज निगम मुख्यालय के सामने धरना दिया राजकुमार गोस्वामी ने यह भी बताया कि सेवानिवृत कर्मचारियों को समय पर ग्रेच्युटी का भुगतान नही करने कि वजह से बिना इलाज के कई कर्मचारियों कि मृत्यु हो गई है जिसकी वजह से सेवानिववृत अधिकारियों कर्मचारियों मे भारी असंतोष व्याप्त है सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि प्रबंधन सेवानिवृत कर्मचारियों को ग्रेच्युटी एवं अवकाश नगदी करण तथा अन्य क्लेम का तत्काल भुगतान करे इसी को लेकर बीज निगम मुख्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया धरना को सफल बनाने मे आर के वर्मा एस एस तिवारी दिनेश साहू आर एन मिश्रा विजय राजपूत प्रदीप मालवीय सी एम पटेल अशोक नेमा ओम प्रकाश जैन जी के अग्रवाल शामिल हुए इंदौर से आए अरुण गोस्वामी ने बताया कि बीज निगम द्वारा कई ऐसे कार्य किए हैं जिसके पूरे प्रूफ मेरे पास है और यहां पर जमकर फर्जी बाड़ा हुआ है इसकी शिकायत मुख्यमंत्री से लेकर गई कई अधिकारी की है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

रामचरितमानस का विज्ञान पढ़ाएगा भोज मुक्त विश्वविद्यालय

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश का भोज मुक्त विश्वविद्यालय रामचरितमानस को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से पढ़ाने जा रहा है। इसके लिए स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम डिजाइन हुआ है, जो मानस में आए विज्ञान के सिद्धांतों को समाहित करता है। विश्वविद्यालय इस पाठ्यक्रम के जरिए भारतीय संस्कृति और साहित्य की वैज्ञानिकता को आधुनिक ज्ञान के साथ जोड़ना चाहता है।

भोज मुक्त विश्वविद्यालय प्रबंधन के अनुसार नए पाठ्यक्रम में रामचरितमानस और भौतिक विज्ञान, रामचरितमानस और रसायन विज्ञान, रामचरितमानस और जीव विज्ञान, रामचरितमानस और पर्यावरण विज्ञान जैसे विषय शामिल किए गए हैं। भोज विश्वविद्यालय ने तीन साल पहले विज्ञान से सामाजिक उत्थान नाम से एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया था। इसमें रामचरितमानस की चौपाइयों से पर्यावरण, जीव विज्ञान, रसायन शास्त्र और भौतिक

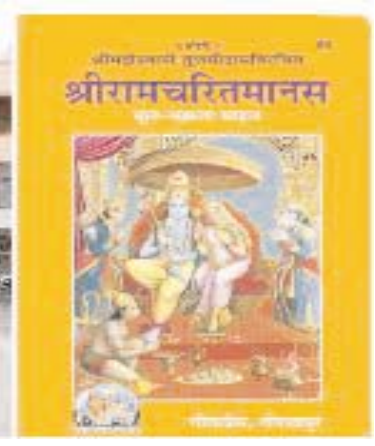

विज्ञान को समझाने का प्रयास किया गया है। इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम में हर साल 50 से अधिक विद्यार्थी प्रवेश लेते हैं। अब स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए पाठ्यक्रम को फिर से डिजाइन किया गया है।

विषय विशेषज्ञों का कहना है कि इस पाठ्यक्रम में मानस के अलग-अलग कांड में आए प्रसंगों के दोहों-चौपाइयों को लिया जाएगा। इसके जरिए वर्णन में छिपे विज्ञान के सूत्रों को समझाया जाएगा। उदाहरण के लिए मानस के उत्तरकांड में आई चौपाई हिमगिरि कोटि अचल रघुवीरा...का भावार्थ है कि श्री रघुवीर यानी भगवान राम करोड़ों हिमालयों के समान अचल या स्थिर हैं और अरबों समुद्रों से भी गहरे हैं..।

इस चौपाई में बताई गई भगवान की विशेषताओं के साथ इस पाठ्यक्रम में विद्युत चुंबकीय क्षेत्र, गुरुत्वाकर्षण के परिणामी बल के बारे में बताया जाएगा, जो इस चौपाई का छिपा विज्ञान है। इसी तरह अन्य चौपाइयों के आधार पर ही रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, पर्यावरण और भौतिकी को जानने और समझने का मौका विद्यार्थियों को मिलेगा।

गणित-रसायन के सूत्रों को आसान करने की कोशिश

बताया जा रहा है कि इस पाठ्यक्रम में गणित और रसायन विज्ञान के कठिन सूत्र भी सरलता से समझाया जा सकेगा। रामकथा के विविध प्रसंगों पर आधारित छंदों से प्रभाविता का नियम, मेंडेलिज्म का आर्थिक महत्व जैसे हजारों नियमों और सूत्रों को आसान और लयबद्ध भाषा में समझाया जाएगा।

संपादकीय

विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की भूमिका परिभाषित हैं

संविधान में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की भूमिका, लक्ष्मण-रेखाएं और मर्यादाएं स्पष्ट रूप से परिभाषित हैं। सभी अपने-अपने क्षेत्रों में स्वतंत्र हैं। कोई भी अन्य के विशेष क्षेत्र में दखल नहीं दे सकता। संविधान का अनुच्छेद 122 संसद की कार्यवाही की वैधता को प्रक्रियागत अनियमितता के आधार पर चुनौती देने से रोकता है। यह संसद के आंतरिक मामलों को न्यायिक समीक्षा से सुरक्षित रखता है और इसकी विधायी स्वतंत्रता की रक्षा करता है। इस संवैधानिक व्यवस्था के बावजूद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को यह बयान देना पड़ा कि अनुच्छेद 142 न्यायपालिका के लिए 'परमाणु मिसाइल' बन गया है। यह मिसाइल 24 घंटे न्यायपालिका को हासिल है। उपराष्ट्रपति देश का दूसरा सर्वोच्च संवैधानिक पद है। उन्होंने कहा है कि सर्वोच्च अदालत देश के राष्ट्रपति को निर्देश नहीं दे सकती। कुछ सेवानिवृत्त न्यायमूर्तियों ने स्पष्ट किया है कि देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने राष्ट्रपति को कोई भी, किसी भी तरह का, निर्देश नहीं दिया है। यह पीठ का फैसला पढ़ कर समझा जा सकता है। दरअसल चर्चा उस प्रकरण के संदर्भ में शुरू हुई थी, जब तमिलनाडु के राज्यपाल ने विधानसभा से पारित विधेयकों पर मुहर नहीं लगाई थी और उन्हें दबा कर बैठे थे। ऐसा कई राज्यपाल गैर-भाजपा शासित राज्यों में कर रहे हैं। यह रिकॉर्ड देखा जा सकता है। सर्वोच्च अदालत ने अनुच्छेद 142 के तहत विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए न केवल उन विधेयकों को कानून बना दिया, बल्कि राज्यपाल के लिए निर्देश भी तय कर दिए। बेशक राष्ट्रपति को न तो निर्देश दिए जाते और न ही 'परमाणु मिसाइल' की स्थिति बनी है। भारत में राष्ट्रपति केंद्रीय कैबिनेट की सलाह पर काम करते हैं। गृह मंत्रालय में उपसचिव अथवा वरिष्ठ स्तर के अधिकारी तय किए जाते हैं, जो राष्ट्रपति के आधार पर निर्णय लेते हैं और फिर राष्टपति उस फाइल पर हस्ताक्षर करते हैं। बेशक सर्वोच्च अदालत गृह मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दे सकती है। दलीलें यहां तक दी गई कि राष्ट्रपति देश के प्रधान न्यायाधीश और सर्वोच्च अदालत के अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं। एक नौकर नियोक्ता को निर्देश कैसे दे सकता है? दरअसल ऐसे निर्णय भी सरकार और कैबिनेट के स्तर पर लिए जाते हैं और फिर संबद्ध मंत्रालय द्वारा भेजी गई फाइल पर राष्ट्रपति हस्ताक्षर करते हैं। राष्ट्रपति एक मायने में, लिखित रूप से, नियोक्ता हैं और सरकार की कार्यप्रणाली के मुताबिक, नियोक्ता नहीं भी हैं। हमें नहीं लगता कि न्यायपालिका ने संवैधानिक लक्ष्मण-रेखाओं को पार किया है। बल्कि ऐसी हरकत भाजपा सांसदों ने की है। झारखंड से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा-'इस देश में जितने गृहयुद्ध हो रहे हैं, उनके जिम्मेदार केवल यहां के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस संजीव खन्ना साहब हैं।' भाजपा सांसद ने यहां तक आरोप लगाया कि अदालत इस देश को अराजकता की ओर ले जाना चाहती है। अदालत राष्ट्रपति को निर्देश कैसे दे सकती है? आपने नया कानून कैसे बना दिया? किस कानून में लिखा है कि राष्ट्रपति को तीन माह में ही फैसला लेना है? बहरहाल भाजपा नेतृत्व ने यह अच्छा किया कि सांसदों की ऐसी टिप्पणियों से किनारा कर लिया और ऐसे बयानों को खारिज कर दिया। अलबत्ता यहां से राजनीति नया तूल ले सकती थी। सर्वोच्च अदालत ने भी कोई संज्ञान नहीं लिया और ऐसे बयानों को नजरअंदाज कर दिया। आजकल अधिकतर राज्यपाल 'राजनीतिक' होते हैं, लिहाजा बिलों को दबाते रहते हैं। पारित बिलों पर कुंडली मार कर बैठना उचित और संवैधानिक नहीं है।

शिक्षा में नवाचार का अनूठा प्रयोग है- 'नीलबाग'

बाबा मायाराम

स्कूल की मान्यता थी कि किसी भी गतिविधि का अपना अनुशासन होता है। यानी प्रत्येक वस्तु की अपनी प्रकृति होती है, उसका अपना अनुशासन होता है। उदाहरण के लिए गीली मिट्टी के साथ सही तरह का व्यवहार करना, जिससे वह तिड़के नहीं और टेढ़ी-मेढ़ी भी न हो और जो भी आकृति हम बनाना चाहते है, बना पाए। स्वयं सामग्री का अपना अनुशासन होता है।

आजादी के बाद देश में शिक्षा के क्षेत्र में कई नवाचार हुए हैं, उनमें से एक है कर्नाटक का नीलबाग स्कूल। यह सत्तर- अस्सी के दशक में चलने वाला बहुत ही अनूठा प्रयोगशील ग्रामीण स्कूल था। इसकी शुरूआत एक ब्रिटिश शिक्षाविद् डेविड ऑसबरॉ ने की थी। आज भी इस स्कूल को शिक्षा के क्षेत्र में बहुत सम्मान से याद किया जाता है। इस कॉलम में इसकी कहानी बताना चाहूंगा, जिससे शिक्षा को समग्रता से समझा जा सके।

डेविड ऑसबरॉ , अंग्रेज थे। वे दूसरे विश्व युद्ध के दौरान रॉयल एयर फोर्स में भरती हुए और भारत आए। उस समय वे भारत में ग्रामीण इलाके में रहे और उन्हें यहां के लोगों से नजदीकी से जुड़ने व उनके जीवन में झांकने का मौका मिला। युद्ध के बाद वे वापस अपने देश चले गए। लंदन में पढ़ाई पूरी की और फिर भारत आ गए। डेविड ने कृष्णमूर्ति फाउंडेशन के ऋषि वैली स्कूल में पढ़ाने का काम किया। बाद में नीलिगरी के ब्लू माउंटेन स्कू ल गए, और फिर मैसूर में अंग्रेजी महाविद्यालय शुरू किया।

मद्रास में गरीब बच्चों के लिए किताबें बनाई। ब्रिटिश काउंसिल में काम किया। और आखिर कर्नाटक के कोलार जिले में नीलबाग स्कूल शुरू किया और अंत तक इसी स्कूल को चलाते रहे। वर्ष 1984 में उनका निधन हो गया। 3-4 साल तक उनके बेटे व परिवार ने इसे चलाने की कोशिश की पर वे असफल रहे।

लेकिन नीलबाग स्कूल कैसा था, क्यों इसे शिक्षा के क्षेत्र में याद किया जाता है। मुझे इस स्कूल के बारे में शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत अरविंद गुप्ता ने बताया। मैंने उनके द्वारा संपादित किताब %नीलबाग के डेविड% पढ़ी। डेविड, एक प्रयोगशील शिक्षक थे। यह स्कूल उनकी कर्मस्थली भी थी। इस स्कूल के मकान बनाने से लेकर खेती और स्कूली पाठ्यक्रम का विचार उनका अपना था।

डेविड, एक शिक्षाविद्, प्रयोगशील शिक्षक, लेखक और संवेदनशील कवि थे। वे लकड़ी व मिट्टी के काम में भी पारंगत थे। संगीत मर्मज्ञ थे। उनके बहुआयामी व्यक्तित्व ने ही इस स्कूल को गढ़ा और नया स्वरूप दिया।

इस स्कूल के भवन प्रसिद्ध वास्तुकार लॉरी बेकर ने बनाए थे। लॉरी बेकर, स्थानीय सामग्री से और कम कीमत में मकान बनाने के लिए जाने जाते हैं।

यह स्कूल कई मायनों में अनूठा था। यहां एक शिक्षक, एक कक्षा जैसा कुछ नहीं था। बल्कि कक्षा में सभी आयु के बच्चे एक साथ बैठ सकते थे। परीक्षा प्रणाली का कोई अस्तित्व नहीं था। यहां न तो कोई परीक्षा होती थी, और न ही किसी तरह कोई बंधन था। कोई प्रतिस्पर्धा नहीं थी, और न ही अन्य बच्चों से किसी बच्चे की तुलना की जाती थी। बच्चों को पूरी स्वतंत्रता थी, आने-जाने पर कोई प्रतिबंध नहीं था। किसी भी तरह का दंड नहीं दिया जाता था।

इस स्कूल की न तो कोई फीस थी, और न ही स्कूल में प्रवेश की कोई औपचारिकताएं। इस स्कूल का पाठ्यक्रम भी धीरे-धीरे विकसित हुआ था। डेविड ऑसबरॉ की इसमें प्रमुख भूमिका थी। यहां का पाठ्यक्रम सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं था, बल्कि गतिविधियों पर आधारित था। इसमें हाथ से काम करके सीखने पर जोर दिया जाता था।

यहां लकड़ी का काम, मिट्टी का काम, बागवानी, कढ़ाई-बुनाई, चित्रकला, नाटक, संगीत और पर्यावरण इत्यादि कई गतिविधियों को प्राथमिकता दी जाती थी। यहां इसके लिए मिट्टी का चाक, लकड़ी काटने के औजार, संगीत के लिए वाद्य यंत्र व सभी जरूरत की चीजें उपलब्ध थीं। बच्चे लकड़ी की कई चीजें खुद ही बना लेते थे।

डेविड मानते थे कि मौजूदा शिक्षा सूचना देने का जरिया होती है, जबकि हमें बच्चों को सीखने की पूरी प्रक्रिया में शामिल करना चाहिए जिससे वे उसे समझ सकें, उसका आनंद ले सके और इससे उनमें निर्णय लेने की क्षमता का विकास हो सके। इसलिए वे बच्चों को गतिविधियों में शामिल करने का मौका देते थे। इस स्कूल में संगीत के लिए ज्यादा समय रखा गया था। यहां के बच्चे 10 भाषाओं के करीब 100 गाने गा सकते थे। डेविड मानते थे कि गाना सीखने की प्रक्रिया में बच्चे सुनना भी सीखते हैं, और यह दूसरे विषयों को सीखने में काफी मददगार होता है। यहां की गीत में बच्चों में एक दूसरे से ज्यादा ऊंचा सुनाने की होड़ नहीं थी, बल्कि वे लय व ताल व संयत स्वर में गीत गाते थे।

यहां जो भी बाहरी अतिथि आता था, बच्चे उनसे गाना सीखते थे और उसे अपने पसंदीदा गानों में शामिल कर लेते थे। वे भारतीय भाषाओं के अलावा विदेशी भाषाओं के गाने भी सीखते थे। यहां बच्चे 5 भाषा सीखते थे।

सीखने-सिखाने में बड़े बच्चे छोटे बच्चों की मदद करते थे। अगर दोनों को कोई कठिनाई आती थी, तब वे शिक्षक के पास जाते थे और सब मिलकर सीखते थे। यहां की कक्षाएं समूहों में होती थीं, जिसमें शिक्षकों का बच्चों के साथ मित्रवत् व्यवहार होता था।

यहां डेविड की जीवनशैली, उनके घर, खेती सब कुछ गांव की ही तरह थी। एक बैलगाड़ी भी थी, जिसे वे अतिथियों का सामान लाने ले जाने के लिए इस्तेमाल करते थे। बिजली नहीं थी, लालटेन व लैम्प से प्रकाश किया जाता था। यहां का अधिकांश काम बच्चे, शिक्षक, डेविड व उनका परिवार मिलकर करता था।

यहां शिक्षकों को भी प्रशिक्षण दिया जाता था। यहां से प्रशिक्षित शिक्षकों ने अपने स्कूल खोले, नवाचारों के लिए जाने गए। यहां से निकले शिक्षक बच्चों की शिक्षा के लिए काम कर रहे हैं। इस तरह बहुत से लोग उनके काम से प्रेरणा लेते हैं। यहां न केवल बच्चों को बल्कि उनके पालकों भी पढ़ाने का काम होता था। जिसमें ज्यादातर बच्चे खुद गांव के लोगों को पढ़ाते थे।

इनमें से कई तो बिलकुल भी पढ़े-लिखे नए थे, जो बाद में कहानियां व किताबें पढ़ने में सक्षम हो गए। डेविड और उनका नीलबाग़ स्कूल नामक फिल्म भी हाल में बनी है, जो यूट्यूब पर उपलब्ध है।

कुल मिलाकर, यह ऐसा स्कूल था जिसका वातावरण खुला था, तनावमुक्त था, मैत्रीपूर्ण था, यहां कोई प्रतिस्पर्धा नहीं थी, बल्कि आपसी सहयोग था। सीखने-सिखाने का रचनात्मक माहौल था, एक दूसरे की मदद करने वाली मजेदार गतिविधियां थीं। यहां जो भी कार्य किया जाता, पूरी लगन से और अच्छे से किया जाता। शिक्षा सिर्फ एक दिमागी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि एक नए व्यक्तित्व का निर्माण करने में सहायक है, जो इस प्रयोग से साफ दिखता है। यह प्रयोग ऐसा है, जिसे भारत में शिक्षा के नवाचार में सदैव याद किया जाएगा, और इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए राह दिखाता रहेगा।

फटी जीन मक़सद और संदेश ?

निर्मल रानी

वैसे तो विश्व में तरह तरह के फ़ैशन प्रचलित हैं। अनेक फ़ैशन लोगों के शरीर व व्यक्तित्व पर भाते भी हैं। किसी को किसी का फ़ैशन अच्छा लगे या बुरा परन्तु किसी भी फ़ैशन को अपनाने वाले का निजी मामला व उसका अधिकार समझते हुये कोई अन्य व्यक्ति न तो कुछ बोलता टोकता है न ही आपत्ति करता है। और करना भी नहीं चाहिये। परन्तु कुछ फ़ैशन ऐसे भी हैं जिन्हें देखकर आम आदमी आश्चर्यचकित व विचलित ज़रूर हो जाता है। हालांकि ऐसा फ़ैशन करने वालों को इस बात से कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता कि दूसरे उसके इस फ़ैशन के बारे में क्या सोच रहे हैं। न ही उसे इस बात की चिंता रहती है कि उसके शरीर पर वह फ़ैशन कैसा लग रहा है। उसका मक़सद तो बस फ़िल्मी हीरो हीरोइन की ड्रेसेज़ की नक़ल कर व ट्रेंड कर रहे फ़ैशन की मुख्य धारा में शामिल होकर स्वयं को %फ़ैशनेबल % साबित करना मात्र है।

ऐसा ही एक अजीबो ग़रीब फ़ैशन गत लगभग दो दशक से भारत ही नहीं बल्कि लगभग पूरी दुनिया में %वायरल फ़ैशन % की तरह पैर पसार चुका है। और वह है %फटी जीन % अथवा रिप्ड जीन का फ़ैशन। चूँकि 1970 से पहले जींस मंहगी हुआ करती थी और ग़रीब लोग नई जीन न ख़रीद पाने के चलते मजबूरीवश फटी जीन पहना करते थे। उस ज़माने में फटी जींस पहनना ग़रीब होने की निशानी होती थी। और 1970 के दशक में ही फटी जींस का चलन हॉलीवुड सिनेमा से प्रारंभ हो गया था जो भारत में वालीवुड के माध्यम से बाद में आया। परन्तु गत दो दशक से तो इस फ़ैशन ने युवाओं व युवतियों के बीच कुछ ज़्यादा ही ज़ोर पकड़ लिया है। नई जीन की पैंट को हाथों या लेजर के मदद से इसे फेंट फेंट कर फाड़ा जाता है। इस क्रिया के बाद फटी हुई जीन और भी महंगी हो जाती है। फटी या रिप्ड जीन स्किन फ़िट , स्लिम फ़िट , टेपर्ड, रेगुलर फ़िट , और रिलैक्स्ड फ़िट आदि मॉडल की पैंट्स में उपलब्ध होती है। इन्हीं डेनिम में एक एक्सट्रीम कट हाई रेज़ जींस भी होती है जिसका आगे व पीछे दोनों ओर का 80-90 प्रतिशत भाग ग़ायब होता है। यह सबसे मंहगी अर्थात ब्रांड के अनुसार 30-40 व 50 हज़ार रूपये तक भी मिलती है। कुछ लोग ऐसी जीन पहन कर अपने आप को एक अनोखा लुक देना चाहते हैं। इस फ़ैशन का क़द्रदानों के अनुसार यह उन्हें एक अनूठा और स्टाइलिश लुक देती है। जबकि समाज का एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो ऐसे फ़ैशन को अनुचित व बेहूदा समझता है। बड़े आश्चर्य की बात है कि इस यह अजीबो ग़रीब पहनावा फ़ैशन कैसे बन गया और बना भी तो यह फ़ैशन ट्रेंड कैसे कर गया ? सच पूछिये तो फटी जीन धारण करने वाला इसे पहनने के सिवा स्वयं ही इस अनर्गल फ़ैशन की तार्किकता इसके मक़सद और संदेश के बारे में नहीं जानता ?

विश्व पृथ्वी दिवस : भारतीय संस्कृति में पृथ्वी को धरती माता के रूप में पूजा जाता है

वह हमें हमारे जीवन में धैर्य, ज्ञान, बुद्धि, धन और साहस प्रदान करती है

योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस जागरूकता अभियान के रुप मे मनाया जाता है। पृथ्वी दिवस मनाने का बहुत अधिक महत्व है क्योंकि पृथ्वी जीवन का सार है। हम सब मिलकर पृथ्वी का सम्मान करें। वह हमारे जीवन में सभी प्रकार का लाभ और बेहतर स्थिति देती है। अगर हम लगातार उसकी पूजा करते हैं , तो वह हमें मोक्ष पाने में भी मदद करती है। वह हमें हमारे जीवन में धैर्य , ज्ञान , बुद्धि , धन और साहस प्रदान करेगी। आइए हम पवित्र माता की पूजा करें और धन्य हो।

योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि योग अभ्यास में भी पार्थिवी धारणा के बारे मे बताया जाता है। जिसके अभ्यास से व्यक्ति निरोगी होकर मृत्यु पर भी विजय प्राप्त कर सिद्ध हो जाता है। कर्मो का क्षय होता है और आत्मिक लाभ प्राप्त होता है। हस्त मुद्रा योग में पृथ्वी मुद्रा का दूसरा नाम अग्नि शामक मुद्रा है। इसके द्वारा मनुष्य अपने भौतिक अंतरत्व में पृथ्वी तत्व को जाग्रत करता है और शरीर में बढ़ने वाले अग्नि तत्व को घटाने में मदद करता है। जब इस मुद्रा को किया जाता है तब पृथ्वी तत्व बढ़कर सम हो जाते हैं। इस मुद्रा के अभ्यास से नए घटक बनते है। मनुष्य शरीर में दो नाड़ियाँ होती है सूर्य नाड़ी और चन्द्र नाड़ी। जब पृथ्वी मुद्रा की जाती है तो अनामिका अर्थात सूर्य अंगुली पर दबाव पड़ता है जिससे सूर्य नाड़ी और स्वर को सक्रीय होने में सहयोग मिलता है। अनामिका अंगुली पृथ्वी तत्व का प्रतीक है। पृथ्वी तत्व हमें स्थूलता , स्थायित्व देता है। इससे पृथ्वी तत्व बढ़ता है। यह अंगुली सभी विटामिनों एवं प्राण शक्ति का केंद्र मानी जाती है। यह हर समय तेजस्वी विधुत प्रवाह करती है और साथ ही अंगूठा भी। इस अंगुली द्वारा ही हम तिलक लगाते हैं। पूजा अर्चना करते हैं और शादी में अंगूठी पहनते हैं। पृथ?वी तत्व इसे जड़ जगत का हिस्सा कहते हैं। हमारी देह जो दिखाई देती है वह भी जड़ जगत का हिस्सा है और पृथ्वी भी। इसी से हमारा भौतिक शरीर बना है, लेकिन उसमें तब तक जान नहीं आ सकती जब तक की अन्य तत्व उसका हिस्सा न बने। जिन तत्वों, धातुओं और अधातुओं से पृथ्वी बनी है उन्हीं से यह हमारा शरीर भी बना है। इन्ही पांच तत्वों को सामूहिक रूप से पंचतत्व कहा जाता है। इनमें से शरीर में एक भी न हो तो बाकी चारों भी नहीं रहते हैं। किसी एक का बाहर निकल जाने ही मृत्यु है। आत्मा को प्रकट जगत में होने के लिए इन्हीं पंच तत्वों की आवश्यकता होती है। जो मनुष्य इन पंच तत्वों के महत्व को समझकर इनका सम्मान और इनको पोषित करता है वह निरोगी रहकर दीर्घजीवी होता है।

पृथ्वी हमें सहनशीलता का गुण सिखाती है। पृथ्वी से मानव को सूंघने की क्षमता मिलती है। पृथ्वी ऐसा आधार है, जिस पर अन्य तीन तत्व जल,अग्नि व वायु सक्रिय होते हैं। हमारे सौरमंडल में केवल धरती ही ऐसा ग्रह है, जहां जीवन है, जहां नदी, झरने, पहाड़, वन, अनेक जंतु प्रजातियां हैं और जहां हम सब मनुष्य भी हैं। लेकिन हम सब की लालच और लापरवाही ने ना केवल दूसरी जीव प्रजातियों के लिए बल्कि खुद अपने लिए और संपूर्ण धरती के लिए संकट पैदा कर दिया है। ऐसे में पृथ्वी दिवस जैसे आयोजन हमें जागरूक करने के लिए जरूरी हैं। आइए इस पृथ्वी दिवस पर हम धरती की पुकार सुनें और इसे स्वच्छ-सुरक्षित बनाए रखने में अपना भरपूर योगदान दें।

हिंदी विरोध की संकीर्ण राजनीति के दंश

ललित गर्ग

महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। हिन्दी दुनिया का तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा बनने की ओर अग्रसर है। हिन्दी विदेशों में सम्मान पा रहे हैं और अपने ही देश में उपेक्षा एवं विवाद का शिकार बन रही है। महाराष्ट्र और अन्य गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी की स्वीकार्यता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि उसकी उपयोगिता सिद्ध हो रही है। हिंदी का मराठी या अन्य किसी भाषा से कोई झगड़ा नहीं। क्या यह विचित्र नहीं कि हिंदी का विरोध उस महाराष्ट्र में हो रहा है, जिसकी राजधानी हिंदी फिल्म उद्योग का गढ़ है? हिंदी फिल्म उद्योग ने मुंबई को न केवल प्रतिष्ठित किया है, बल्कि महाराष्ट्र के लोगों को लाभान्वित भी किया है।

हिंदी को लेकर तमिलनाडु की राजनीति का आक्रामक होना कोई नयी बात नहीं है लेकिन तमिलनाडु के बाद महाराष्ट्र में हिंदी का विरोध यही बताता है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से किस तरह भाषा को हथियार बनाया जा रहा है। विभिन्न राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। हिन्दी दुनिया का तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा बनने की ओर अग्रसर है। हिन्दी विदेशों में सम्मान पा रहे हैं और अपने ही देश में उपेक्षा एवं विवाद का शिकार बन रही है। महाराष्ट्र और अन्य गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी की स्वीकार्यता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि उसकी उपयोगिता सिद्ध हो रही है। हिंदी का मराठी या अन्य किसी भाषा से कोई झगड़ा नहीं। क्या यह विचित्र नहीं कि हिंदी का विरोध उस महाराष्ट्र में हो रहा है, जिसकी राजधानी हिंदी फिल्म उद्योग का गढ़ है? हिंदी फिल्म उद्योग ने मुंबई को न केवल प्रतिष्ठित किया है, बल्कि महाराष्ट्र के लोगों को लाभान्वित भी किया है। क्या राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे आदि हिंदी फिल्म उद्योग का भी विरोध करेंगे? ऐसा करके वे अपने राज्य के लोगों के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम करेंगे। यह किसी से छिपा नहीं कि हिंदी विरोध के नाम पर लोगों की भावनाएं भड़काने का काम अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए किया जाता है। यह और कुछ नहीं, राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को कमजोर करने और लोगों में वैमनस्य पैदा करने वाली क्षुद्र राजनीति है।

त्रिभाषा फार्मूले में केन्द्र सरकार चाहती है कि भारत में प्रत्येक छात्र को तीन भाषाएँ सीखनी चाहिए, जिनमें से दो मूल भारतीय भाषाएँ होनी चाहिए, जिसमें एक क्षेत्रीय भाषा शामिल होनी चाहिए और तीसरी अंग्रेज़ी होनी चाहिए। यह सूत्र सरकारी और निजी दोनों स्कूलों पर लागू होता है और शिक्षा का माध्यम तीनों भाषाओं में से कोई भी हो सकता है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के त्रिभाषा फार्मूले के तहत मराठी और अंग्रेजी के साथ हिंदी को पढ़ाए जाने के महाराष्ट्र सरकार के निर्णय पर विपक्षी दलों की राजनीतिक आक्रामकता का कारण वोट की राजनीति एवं भाजपा के बढ़ते वर्चस्व को विराम लगाने की स्वार्थी मानसिकता है। त्रिभाषा फार्मूले पर सबसे पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे ने आपत्ति उठाई। यह वही राज ठाकरे हैं, जो हिन्दुत्व का झंडा हाथ में लेकर स्व-संस्कृति की वकालत करते रहे हैं। इस पर हैरानी नहीं कि उद्धव ठाकरे भी राज ठाकरे के सुर में सुर मिला रहे हैं। उनकी शिवसेना ने एक समय दक्षिण भारतीयों को मुंबई से भगाने का अभियान छेड़ा था, फिर उसके निशाने पर उत्तर भारतीय आ गए थे। हैरानी इस बात की है कि शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता भी त्रिभाषा फार्मूले के तहत हिंदी पढ़ाए जाने का विरोध कर रहे हैं और इसके पीछे साजिश देख रहे हैं। अच्छा होता कि मराठी अस्मिता की रक्षा के बहाने हिंदी को निशाने पर ले रहे ये नेता यह बताते कि तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का विरोध करने के क्या कारण है? केवल मोदी सरकार ने इसे प्रस्तुत किया है, इस कारण इसका विरोध मानसिक दिवालियापन का द्योतक है।

तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का चयन इसलिए सर्वथा उपयुक्त है, क्योंकि एक तो वह आधिकारिक राजभाषा एवं सबसे प्रभावी संपर्क भाषा है और दूसरे, महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में हिंदी बोलने-समझने वाले हैं। ये वे लोग हैं, जो काम-धंधे के सिलसिले में महाराष्ट्र गए और फिर वहीं बस गए। इन्होंने महाराष्ट्र के विकास में योगदान भी दिया है। इसकी अनदेखी करते हुए हिंदी का विरोध करना एक तरह का नस्लवाद ही है, एक तरह की संकीर्ण एवं स्वार्थी मानसिकता है। संचार और सूचना क्रांति तथा तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु एवं महाराष्ट्र आदि गैर हिन्दी भाषी राज्यों की स्थिति

तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, पर उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने वालों की तादाद बढ़ी है। चाहे तमिलनाडु का निवासी हो या फिर महाराष्ट्र या फिर गैर हिन्दी भाषी राज्य का, उसके हाथ में यदि फोन है, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन है, तो तय है कि उसकी अंगुलियों के नियंत्रण में हिंदी और अंग्रेजी ही नहीं, दुनियाभर की भाषाएं हैं, इसलिए हिंदी ही नहीं, किसी भी भाषा का विरोध अब दुनिया के किसी भी कोने में पूरी तरह न तो सफल हो सकता है और न ही कोई दीवार उसे रोक सकती है। फिर हिन्दी तो हिन्दुस्तान की अस्मिता एवं अस्तित्व से जुड़ी भाषा है। दुनिया में जहां कहीं भी लोग अन्यत्र जाकर बसते हैं, वे अपने साथ अपनी संस्कृति और भाषा भी ले जाते हैं। यदि कोई यह चाहता है कि ऐसा न हो तो ऐसा होने वाला नहीं है। महाराष्ट्र के विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं, तमिलनाडू में इसके रोकने के प्रयास हो रहे हैं, वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक अलग नजरिया दिया। उन्होंने हिंदी सहित कई भाषाओं की शिक्षा की वकालत की है। नायडू ने कहा कि भाषा केवल संचार का एक साधन है। आप सभी जानते हैं कि तेलुगु, कन्नड़, तमिल और अन्य भाषाएं विश्व स्तर पर चमक रही हैं। नॉलेज अलग है, भाषा अलग है। हिंदी भी देश में कम्युनिकेशन लैंग्वेज के तौर पर जरूरी है।

हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा होने के बावजूद उसको उचित सम्मान न मिलना या हिन्दी के नाम पर विध्वसंक राजनीति होना अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है, सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा भी हिन्दी ही है। गूगल के अनुसार हिन्दी दुनिया की ऐसी भाषा है जिसमें सर्वाधिक कंटेंट (पाठ्य सामग्री) का निर्माण होता है। सर आइजेक पिटमैन ने कहा है कि संसार में यदि कोई सर्वांग पूर्ण लिपि है तो वह देवनागरी है। निश्चित ही सशक्त भारत-विकसित भारत निर्माण एवं प्रभावी शिक्षा के लिए हिन्दी में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। तथ्य यह भी है कि उत्तर भारत के अलावा देश के अन्य राज्यों से जो राजनेता प्रधानमंत्री बने, उन्होंने कभी हिंदी का विरोध नहीं किया। दक्षिण भारत से पहले प्रधानमंत्री बने पी वी नरसिंह राव धाराप्रवाह हिंदी बोलते थे। कर्नाटक के नेता एच.डी. देवेगौड़ा जब पीएम बने तो उन्होंने लालकिले से हिंदी में ही अपना भाषण दिया था। हिन्दी राष्ट्रीयता एवं राष्ट्र का प्रतीक है, उसकी उपेक्षा एक ऐसा प्रदूषण है, एक ऐसा अंधेरा है जिससे छांटने के लिये ईमानदार प्रयत्न करने होंगे। क्योंकि हिन्दी ही भारत को सामाजिक-राजनीतिक-भौगोलिक और भाषायिक दृष्टि से जोड़नेवाली भाषा है। हिंदी को दबाने की नहीं, ऊपर उठाने की आवश्यकता है। भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक राष्ट्र भाषा हिन्दी को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद हिन्दी को उसका उचित स्थान न मिलना विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। विश्व में हिन्दी की प्रतिष्ठा एवं प्रयोग दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, लेकिन देश में उसकी उपेक्षा एवं राजनीतिक विरोध एक बड़ा प्रश्न है। राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण-स्वार्थी सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान राष्ट्र में हिन्दी को नहीं मिल रहा है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाने लगा क्योंकि भारत और अन्य देशों में 120 करोड़ से अधिक लोग हिन्दी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं। पाकिस्तान की तो अधिकांश आबादी हिंदी बोलती व समझती है। बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान में भी लाखों लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। फिजी, सुरिनाम, गुयाना, त्रिनिदाद जैसे देश तो हिंदी भाषियों द्वारा ही बसाए गये हैं। हिन्दी का हर दृष्टि से इतना महत्व होते हुए भी भारत में प्रत्येक स्तर पर इसकी इतनी उपेक्षा क्यों?

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाइट: dainiksandhyaprakash.in

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे हैं जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन कार्य

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। प्रदेश के साथ ही रायसेन जिले में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन कार्य में प्राथमिकता में किये जा रहे है। जनसामान्य को भी जल संरक्षण के प्रति जागरूक कर जल संरचनाओं के संरक्षण किये जाने की शपथ भी दिलाई जा रही है। स्कूलों और महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जल के महत्व, जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव और पौधरोपण के महत्व के बारे में जानकारी दी जा रही है। जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में दीवार लेखन के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण और संवर्धन हेतु प्रेरित किया जा रहा है। इसी प्रकार स्कूलों में भी जल संरक्षण विषय पर चित्रकलां, निबंध लेखन आदि गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

नारायणगंज में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न हुआ

मण्डला। जिले के नारायणगंज जनपद पंचायत अंतर्गत कन्या हाई स्कूल मैदान परिसर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना अंतर्गत राज्य में एक ऐंसी चलाई गई है जो बेटियों के साथ-साथ अभिभावकों के लिए भी वरदान सिद्ध हुआ है।इस योजना के तहत जनपद पंचायत नारायणगंज में पहले वर पक्ष द्वारा 191 दूल्हों की बारात बैंड बाजा के साथ निकाली गई तथा उसके पश्चात विवाह कार्यक्रम शुरू हुआ जहां वर-वधू ने अग्नि को साक्षी मान कर रीति रिवाजों के अनुसार विवाह की विधि संपन्न की गई। कार्यक्रम में जनपद पंचायत नारायणगंज का पूरा अमला व्यवस्था में लगा हुआ था कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य भूपेंद्र वरकड़े,निवास विधानसभा विधायक चैनसिंह वरकड़े,जनपद पंचायत अध्यक्ष आशाराम,उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा,भाजपा उपाध्यक्ष सुंदर सोनी,वरिष्ठ कार्यकर्ता गया प्रसाद,जनपद सदस्य गुलाब वरकड़े तथा अन्य स्थानीय नेता एवं जनप्रतिनिधि गण तथा जनपद पंचायत नारायणगंज मुख्य कार्यपालन अधिकारी जी.एस. डहरिया व जनपद पंचायत नारायणगंज के समस्त स्टाफ मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के इस कार्यक्रम में समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह आष्टा में कार्यक्रमों में शामिल हुए

आष्टा। पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद श्री दिग्विजय सिंह अपने प्रवास के दौरान आष्टा मैं विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए चंद्रवंशी खाती समाज के सामाजिक कार्यक्रम के उपरांत श्री दिग्विजय सिंह जी पूर्व ब्लाक कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष एजाजुर रहमान भैया एमपी की पुत्री के विवाह के अवसर पर उनके निवास पर पहुंचे और परिवारजनों को बधाई दी और उनकी पुत्री को आशीर्वाद प्रदान किया इसके उपरांत श्री दिग्विजय सिंह जी पूर्व पार्षद श्री ओम नामदेव एवं पूर्व पार्षद श्री वासिमुद्दीन जिनका विगत दिनों देहांत हो गया था उनके निवास पहुचे और श्रद्धांजलि अर्पित की गत दिवस दिग्विजय सिंह ने देश में अराजकता का माहौल पैदा करने वाले व्यापारी द्वारा पेय पदार्थ के माध्यम से देश अराजकता का माहौल पैदा करना चाह रहे हैं ऐसे लोगों पर कार्रवाई हेतु एक आवेदन भोपाल थाने में प्रस्तुत किया और मांग की ऐसे लोगो पर कार्यवाही की जाए जो देश की एकता और अखंडता को खंडित करना चाहते है उनकी इस पहल का आष्टा के सामाजिक लोगो ने समर्थन किया पार्षद भैया मिया एवं पूर्व पार्षद इदरीस मंसुरी एवं साथियो द्वारा शरबत रूह अफ़ज़ा भेट की।

खेत में नरवाई जलाने पर थाना बक्सवाहा में दर्ज हुई एफआईआर

छतरपुर। छतरपुर कलेक्टर श्री पार्थ जैसवाल द्वारा नरवाई नहीं जलाने के संबंध में आदेश जारी किया गया था। साथ ही आमजन से खेतों की नरवाई नहीं जलाने की अपील भी की गई थी। उक्त आदेश के उल्लंघन में 21अप्रैल 2025 को बक्सवाहा में हल्का पटवारी सत्यपाल रजक द्वारा थाना बक्सवाहा में एफआईआर दर्ज कराते हुए बताया गया कि 18 अप्रैल को क्षेत्र भ्रमण के दौरान कृषक दरवारी लोधी पिता कन्नू लोधी निवासी बक्सवाहा अपने खेत में में 0.799 हेक्टयर के अंश पर नरवाई में आग लगी पाई गई। जिसका मौके का पंचनामा भी तैयार किया गया है।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में भारतीय शिक्षण मंडल का 56वां स्थापना दिवस समारोह संपन्न

छतरपुर। भारतीय शिक्षण मंडल (महाकोशल प्रांत, छतरपुर नगर) का 56वां स्थापना दिवस समारोह सोमवार को दोपहर 1.30 से बजे श्रीकृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर के सभागार में बड़े ही गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जिले, प्रदेश, देश व विदेश के अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। मुख?य अतिथि छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव, मुख्य वक्ता डॉ. संजय पाठक, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख, भारतीय शिक्षण मंडल, विशिष्ट अतिथि श्री कौशल प्रताप सिंह, संगठन मंत्री, मध्य भारत, मालवा एवं महाकोशल प्रांत, समारोह के अध्यक्ष डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, प्रांत अध्यक्ष, महाकोशल प्रांत, भारतीय शिक्षण मंडल, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, सुरेन्द्र मणी , लंदन से हेमन्त चौरसिया जी, उपकुलगरू डॉ. गिरीश त्रिपाठी उपस्थित रहे।

जहां-जहां पर हैंडपंप खराब है, लेकिन वह सुधार योग्य है, उनमें पाइप बढ़ाने का काम, मोटर डालने का काम किया जाए: कलेक्टर

दमोह। जिला प्रशासन लगातार फरवरी महीने से पेयजल के मामले में सजगता से काम करने का प्रयास कर रहा हैं। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा जिले में हैंडपंपों की कलर कोडिंग कराने का काम पूर्व में पूर्ण कराया था और अब लगातार इसकी मॉनीटरिंग की जा रही हैं, कि कहाँ पर पानी की दिक्कतें हैं, किस तरह की दिक्कत है।

कलेक्टर कोचर ने कहा जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आज हुई है और साथ में पेयजल संकट का पूरा रिव्यू किया गया, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र और नगरीय क्षेत्र दोनों का रिव्यू किया तो यह निकल कर के सामने आया ऐसी स्थिति कहीं पर नहीं है, जहाँ पेयजल, परिवहन की स्थिति बने या बहुत ज्यादा ऐसा एक्यूट प्रॉब्लम है। उन्होंने कहा 15 मई तक तो ठीक लेकिन उसके बाद दिक्कत आ सकती है। कई जगहों में तो उस सिलसिले में एक -एक ग्राम विकासखंड से और एक-एक नगरपालिका सभी से बात की है, और जल निगम के अधिकारी डब्ल्यू.आर.डी के अधिकारी, पी.एच.ई के अधिकारी, सब अधिकारी आज उपस्थित थे, एस.डी.एम भी साथ में थे, दो तीन मुद्दों पर क्लैरिटी की है।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा पहला तो यह की जहाँ-जहाँ पर हैंडपंप खराब है, लेकिन वह सुधार योग्य है, उनमें पाइप बढ़ाने का काम मोटर डालने का काम तत्काल पी.एच.ई के माध्यम से करा लिया जाए। उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता है, पाइप भी पर्याप्त है, मोटर भी पर्याप्त है, कहीं कोई कमी नहीं है, यह कार्य करा लिया जाए। दूसरा जहाँ पर पानी का कोई सोर्स अवेलेबल नहीं है, वर्तमान सोर्स से खत्म हो गए हैं, वहाँ पर एस.डी.एम की मदद से तत्काल बोर, निजी बोर का अधिग्रहण सुनिश्चित कर लिया जाए। तीसरी यह कहीं पर पानी की बहुत ज्यादा प्रॉब्लम है, और वहाँ पर यदि पानी का अच्छा सोर्स अवेलेबल है, तो सरकार से अनुमति लेकर के वहाँ पर जनहित में बोरिंग करा लिया जाए। यदि बहुत ज्यादा ऐसी स्थिति बन रही है तो इसके अलावा यह भी चर्चा की है। कोई व्यक्ति अनाधिकृत रूप से पानी को खींच कर के उसको किसी दूसरे कामों में ले रहा है। तालाबों से, जलाशयों से तो इनकी मोटरें जब्त कर ली जाएं। इस पर सख्त कार्रवाई की जाए, क्योंकि सबसे पहली प्राथमिकता है, कि इंसानों के लिए और पशुओं के लिए पानी उपलब्ध हो उसमें बहुत सख्ती की जाएगी।

दुर्घटना स्थल का कलेक्टर एसपी ने किया निरीक्षण

सुल्तानपुर। घटनास्थल पर कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा एसपी पंकज पांडे एसडीओपी अदिति सक्सेना थाना प्रभारी संतोष ठाकुर विधायक प्रतिनिधि हेमराज मीणा ने जाकर घटनास्थल का निरीक्षण किया

बिहार पटना से लौट रहे गाड़ी क्रमांक एमपी 09 1 9963 तूफान गाड़ी बम्होरी सुल्तानपुर के पास नींद के कारण आयंतरित होकर पुलिया में गिर गई जिसमें 6 व्यक्ति मौत के मुंह में समा गए तीन घायलों को सुल्तानपुर अस्पताल रेफर किया गया दीपक संगीता रवि को घायल अवस्था में रेफर किया गया मोहनलाल चंदा देवी उदयपुर राजस्थान नरेंद्र तस्वीर सरिता सौरभ शर्मा इंदौर की घटना स्थल पर मृत्यु हो गई उप निरीक्षक श्रद्धा उईके राधेश्याम रघुवंशी महेश अग्निहोत्री प्रताप सिंह राजपूत अजीत राय नरेंद्र मीणा राहुल चोरसे महेश अग्निहोत्री घटना सुबह 5ः30 की लगभग बताई जाती है सूत्रों द्वारा ज्ञात हुआ की नींद के झोंके के कारण ड्राइवर का संतुलन बिगड़ गया कल्लू अरोड़ा मैसेज अरोड़ा दारा अरोड़ा मनी अरोड़ा एवं ग्राम के अनलॉक घटनास्थल पर पहुंच गए कुछ समय पश्चात थाना सुल्तानपुर पुलिस पहुंचे पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा बताया जाता है कि घायलों में दूल्हा और दुल्हन को भोपाल रेफर कर दिया गया है

10 मई को दूसरी मेगा नेशनल लोक अदालत का होगा आयोजन

छतरपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छतरपुर श्री रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में 10 मई 2025 को दूसरी मेगा नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

उक्त नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित एवं प्री-लिटिगेशन संबंधी समस्त राजीनामा योग्य प्रकरणों का निराकरण आपसी सुलह के आधार पर किया जाएगा। उक्त नेशनल लोक अदालत में दीवानी, क्लेम, आपराधिक (शमनीय प्रकरण), एन. आई एक्ट (बैंक संबंधी प्रकरण), विवाह अधिनियम संबंधी समस्त प्रकरण, नगर पालिका के जलकर, विद्युतकर, का निराकरण त्वरित किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारगण अपने-अपने प्रकरणों का निराकरण आपसी सुलह से कराकर समय और पैसों दोनों की बचत कर सकते हैं।

लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए शासन एवं प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारियों, पक्षकारों एवं अधिवक्ताओं के साथ चर्चा की गई है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री विष्णु प्रसाद सोलंकी द्वारा व्यक्त किया गया है कि लोक अदालत में निराकरण प्रकरणों का सबसे बड़ा फायदा यह है कि लोक अदालत में निराकृत प्रकरणों की अपील नहीं होती एवं न्यायालय को देय कोर्ट फीस भी वापिस हो जाती है। इसमें कोई भी पक्ष हारता नहीं है बल्कि दोनों पक्ष ही जीतते हैं।

वृद्ध के साथ हुई लूट के 4 आरोपी गिरफ्तार देहात थाने की सागर नाका चौकी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

दमोह। पुलिस अधीक्षक दमोह एवं अति. पुलिस अधीक्षक दमोह के द्वारा वृद्ध के साथ हुई लूट के आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया यह सब

हटा क्षेत्र के बताए गए लुटेरे विगत दिनों जिले के देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत सागर नाका चौकी कौरोसा मंदिर के पास एक वृद्ध देवेंद्र पांडे के साथ कुछ अज्ञात लुटेरों ने लूट की घटना को अंजाम दिया था, जहां पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए लूट के आरोपियों को तलाश किया और उन्हें आज न्यायालय पेश कर जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सोमवंशी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा, सीएसपी अभिषेक तिवारी, और देहात थाना प्रभारी रचना मिश्रा के मार्गदर्शन में हुई

गिरफ्तार आरोपियों के नाम- कोमल लोधी , विश्राम, भरत, खेत सिंह लोधी तीनो नि. कुटरी देवलाई टपरिया हटा जब्त मशरुका- मोबाइल इस दौरान आरोपियों को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी दमोह देहात निरीक्षक रचना मिश्रा, में चौकी प्रभारी सागर नाका रमाशंकर मिश्रा, एएसआई अकरम खान,थाना हटा से महेंद्र सिंह,प्रधान आरक्षक प्रेमदास बैरागी, आरक्षक गौरव, आरक्षक दीपचंद, आर दीपेश आर शोहेब मिर्ज़ा साइबर सेल से सौरभ टंडन, राकेश अठया, अजित सिंह, रोहित और भी टीम का विशेषयोगदान रहा

भाजपा समाजमयी और समाज भाजपामयी हो:अजय जामवाल

मण्डला। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री (मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ)श्री अजय जामवाल का आगमन हुआ।कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि अजय जामवाल एवं सभी मंचासीन अतिथियों द्वारा डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी,दीनदयाल उपाध्याय,भारत माता एवं रानी दुर्गावती,राजा शंकर शाह,रघुनाथ शाह के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

वंदे मातरम गीत गायन के पश्चात जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने मुख्य अतिथि अजय जामवाल का स्वागत फूलमाला शाल-श्रीफल एवं भगवान बिरसा मुंडा जी के प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया एवं अपने स्वागत उदबोधन में जामवाल जी के जीवन एवं राजनैतिक परिचय से सभी को अवगत कराया।

भाजपा कार्यकर्ताओं की इस परिचयात्मक बैठक में जामवाल जी ने अपने उदगार में जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की समाज के प्रति अपनी भूमिका पर प्रकाश डाला उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं को ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे धर्मांतरण,नशा एवं पलायन जैसे विषयों पर चिंतन करने की आवश्यकता बताई एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता आपस में सामंजस्य बनाकर विभिन्न योजनाओं की जानकारी एवं लाभ कैसे जनता तक पहुंचे इस पर निदेर्शित किया।समाज और पर्यावरण को बचाने हेतु जल, जंगल,जमीन जैसे विषयों पर ध्यान देते हुए पेड़ लगाने,जल संचयन करने के लिए प्रेरित किया व वनवासी क्षेत्रों में नक्सलवाद जैसे विषयों पर जनप्रतिनिधियो एवं कार्यकर्ताओं ने चर्चा की ।

इस कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री नीरज मरकाम एवं आभार जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने किया।कार्यक्रम में जिले के सांसद फग्गनसिंह कुलस्ते,कैबिनेट मंत्री श्रीमति संपतिया उइके,डिण्डोरी जिलाध्यक्ष चमरू सिंह नेताम,शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे,जिला पंचायत डिण्डोरी अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते,नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा,नैनपुर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति कृष्णा पंजवानी,बम्हनीनगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमति मीना हरदहा,पूर्व विधायक देवसिंह सैयाम,रामप्यारे कुलस्ते, पंडित सिंह धुर्वे,डॉ शिवराज शाह, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति ज्योति प्रकाश धुर्वे,पूर्व जिलाध्यक्ष बिजेन्द्र कोकडिया,डॉ विजय आनंद मरावी,पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति सरस्वती मरावी,अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष विजय सर्वटे,जिला पंचायत सदस्य जगत मरावी,कौशल्या मरावी,डॉ मुकेश तिलगाम एवं समस्त जनपद के अध्यक्षगण, पूर्व जनपद अध्यक्षगण,जिला पदाधिकारी,मण्डल अध्यक्ष,जनजातीय जनप्रतिनिधिगण एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने दिए जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाबों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश

छतरपुर । सोमवार को कलेक्टर पार्थ जैसवाल की अध्यक्षता में टीएल बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तपस्या परिहार, एडीएम श्री मिलिंद नागदेवे, संयुक्त कलेक्टर श्री बलबीर रमन, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती विशा माधवानी सहित एसडीएम, तहसीलदार साहित जनपदों के सीईओ एवं निकायों के सीएमओ सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री जैसवाल ने जल गंगा संवर्धन अभियान व अतिक्रमण मुक्त तालाबों के पुनरुद्धार, गैर-कानूनी खनन निरीक्षण, स्टोरेज व पराली जलाने की रोकथाम के लिए हैप्पी सीडर व सुपर सीडर प्रदर्शनी, सीएम हेल्पलाइन व सीएस मॉनिट मामलों की समीक्षा, जल जीवन मिशन एवं उपार्जन केंद्रों की स्थिति, भूमि आवंटन के साथ-साथ लाड़ली लक्ष्मी योजना लाभार्थियों के अटल पेंशन योजना से जुड़ाव की रूपरेखा, ऐतिहासिक तालाबों का पुनरुद्धार, वर्षा जल संचयन, आगामी वृक्षारोपण कार्यक्रम, बागवानी में फल वृक्षारोपण व उपज सर्वेक्षण, सार्वजनिक हैंडपंप रख-रखाव, पशु जलपान स्थल, शैक्षिक भ्रमण एवं कृषि यांत्रिकीकरण व जलदक्ष फसलों (कूदो-कुटकी) के प्रचार-प्रसार आदि बिन्दुओं की विस्तृत समीक्षा की।

कलेक्टर श्री जैसवाल ने निर्देश दिए कि खेत तालाब योजना में जल संचयन के लिए प्लास्टिक शीट का उपयोग सुनिश्चित किया जाए जिससे पानी रोकने की क्षमता बढ़े एवं निर्माणाधीन सभी जल संरचनाओं का सत्यापन सिपरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाए एवं एनएचएआई संविदा सूचीबद्ध 24 तालाबों में तत्काल मरम्मत कार्य प्रारंभ करें, लाड़ली लक्ष्मी योजना के सभी लाभार्थियों को अटल पेंशन योजना में लिंक करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को ऐतिहासिक तालाबों का पुनरुद्धार करने एवं नदी नालों के उद्गम स्थलों पर वृक्षारोपण कार्य योजनाबद्ध तरीके से करने के लिए कहा। साथ ही पंचायतों एवं निकायों को नागरिकों के लिए सार्वजनिक स्थलों पर मिट्टी के मटके, जिनमें प्रत्येक निकायों मे कम से कम जगह 10 पानी के प्याऊ एवं पशुओं के लिए शीतल जलपान स्थल स्थापित करने के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर ने डीएसओ एवं डीसीसीबी को उपार्जन केन्द्रों पर पानी की व्यवस्था, टेंट लगाने, छायादार स्थल निर्मित करने के लिए भी कहा।

वक्फ कानून के समर्थन मे मुस्लिम मंच की नुक्कड़ सभा, मगन दुबे को इंद्रेश कुमार सम्मान

गंजबासौदा दैनिक सांध्य प्रकाश । अल्पसंख्यक समुदाय के कल्याण एवं हितार्थ वक्फ बोर्ड कानून में आवश्यक एवं अपेक्षित सुधार करते हुए वक्फ बोर्ड अधिनियम 2025 लागू किया गया है। इसी को लेकर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा देशभर में वक्फ संसोधन विधेयक जन जागरण अभियान चलाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत पी डबल्यू डी रेस्ट हाऊस के पास एक नुक्कड सभा का आयोजन कर वक्फ संशोधन कानून के लाभ बताऐ गये।नवीन वक्फ संशोधन बिल के समर्थन में द्वारा चलाए जा रहे जन जागृति अभियान के तहत मुस्लिम राष्ट्रीय मंच गौ सेवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने देशवासियों से अपील की है कि विरोध करना उनका संवैधानिक अधिकार है परंतु इस नए वक्फ संशोधन बिल का विरोध करने से पहले वो कानून को पढ़े और समझे फिर कानून के बारे में कुछ कहें किसी भी देश विरोधी साजिश की टूलकिट का हिस्सा ना बने जो लोग मुसलामानों से कानून का विरोध करने के लिए कह रहे हैं वह पहले अपने बच्चों को विरोध आंदोलन में भाग लेने के लिए भेजें फिर हमारे बच्चो को मांगे। वरिष्ठ नेता समीर किरमानी ने कहा इस कानून से कब्रिस्तान दरगाह मस्जिद व इमाम किसी को कोई खतरा नही है किसी को अगर खतरा है तो वो वक्फ माफिया को है । देश को आजादी तो सन 1947 में मिल गई लेकिन कौम को वक्फ माफिया से आजादी इस नए कानून से मिलेगी। काजी साहब सैयद शोएब हुसैन ने कहा हम मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मार्गदर्शक इंद्रेश कुमार जी के संरक्षण में वक्फ माफिया को कानूनी हथियारों से उखाड़ फेंकेंगे इसलिए पूरे देश मे मुस्लिम राष्ट्रीय मंच गौ सेवा प्रकोष्ठ गोष्ठियां और सभाएं कर रहा है । इस अवसर पर इस साल का इन्द्रेश कुमार गौ सेवा सम्मान अग्रणी समाजसेवी गरीबो यतीमो के हमदर्द मगन दुबे को शाल श्रीफल व पुष्प मालाऐ पहनाकर दिया गया । इससे पूर्व इस सम्मान से साहित्यकार संघ के संरक्षक बद्री प्रसाद नेमा , भारतीय योग समिति अध्यक्ष चंद्र कुमार तारण, वरिष्ठ शिक्षाविद सैयद असद अली साहब, वरिष्ठ मुस्लिम विद्वान हाजी इजराइल साहब सम्मानित हो चुके है । मुस्लिम राष्ट्रीय मंच यह सम्मान प्रतिवर्ष समाज मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवी को प्रदान करता है । कार्यक्रम पश्चात वरिष्ठ नेता मरहूम सैयद शराफत हुसैन कादरी की पुण्यतिथि के अवसर पर गरीबो यतीमो विधवाओं व अनाथो को भोजन प्रसादी भी वितरण किया गया । इस अवसर पर मूलचंद कुशवाह राकेश रघुवंशी नीरज कटारे राजू भाई लीला भाई शकील अहमद खान सैयद सरवर अली अकरम अली खान सैयद अकरम अली हसनैन हुसैन सहित मंच के पदाधिकारीगण मौजूद रहे ।

फिल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप के विरोध में ब्राह्मण समाज ने दिया ज्ञापन

गंजबासौदा दैनिक सांध्य प्रकाश । रविवार को ब्राह्मण समाज ने अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मुंबई में फिल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप द्वारा सोशल मीडिया पर ब्राह्मणों के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी का विरोध किया गया और उन पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई।

ज्ञात होगी कुछ दिन पूर्व फिल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप द्वारा ब्राह्मणों पर एक बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसके चलते देशभर में ब्राह्मण समाज इस घटना को लेकर आक्रोशित है। रविवार को ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष संतोष शर्मा के नेतृत्व में ब्राह्मण समाज के लोगों ने सिद्धेश्वरी मंदिर से एक समूह के रूप में जय स्तंभ चौक पहुंचकर एक मानव श्रृंखला बनाई और अनुराग कश्यप के खिलाफ नारेबाजी की। तत्पश्चात अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) मनोज मिश्रा के कार्यालय पहुंचकर, उनको ज्ञापन सौंपते हुए यह मांग की कि ब्राह्मण समाज सदैव से अनुशासित और राष्ट्रभक्त समाज है। फिल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप द्वारा अनावश्यक रूप से अपनी पब्लिसिटी के लिए ब्राह्मण समाज को अपमानित करने का कार्य किया है और एक बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी समस्त ब्राह्मण समाज पर की है। इस प्रकार की टीका टिप्पणी से देश एवं समाज में वैमनस्यता फैलती है। देश की शांति व्यवस्था भंग होती है इसलिए इसके खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही करते हुए एफआईआर की जाए अन्यथा पूरे जिले भर में ब्राह्मण समाज चक्का जाम एवं धरना प्रदर्शन करेगी।

समाज के अध्यक्ष संतोष शर्मा ने बताया कि अनुराग कश्यप ने जो अभद्र टिप्पणी, ब्राह्मण समाज के खिलाफ की है, वह किसी भी प्रकार से बर्दास्त नहीं की जाएगी और समाज इसका जबरदस्त विरोध करेगी। यदि आवश्यकता पड़ी तो पूरे जिले को भी बंद कराया जा सकता है। ज्ञापन में समाज के अध्यक्ष संतोष शर्मा, वरिष्ठ पुरोहित एवं आचार्य केशव शास्त्री, पंडित रवि तिवारी, व्यापार महासंघ अध्यक्ष विपिन तिवारी, पंडित मुन्नालाल शास्त्री, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र पिंकू शर्मा, पवन रिछारिया, नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष जगदीश व्यास, समाजसेवी सुनील बाबू पिंगले, कृष्ण मोहन शर्मा, राजकुमार शुक्ला, गगन दुबे, अमित शुक्ला, मनीष पाठक साहित्य सैंकड़ों ब्राह्मण उपस्थित रहे।

ओप्पो ने लॉन्च किया के13 5जी 17,999 रुपये से शुरू होने वाला एक ओवरपावर्ड परफॉरमेंस स्मार्टफोन

मुंबई, एजेंसी। ओप्पो इंडिया ने ओप्पो के13 5जी लॉन्च किया है। यह स्मार्टफोन पॉवर एफिशिएंसी और प्रीमियम यूज़र अनुभव के साथ ओवरपावर्ड परफॉरमेंस प्रदान करता है। इसमें स्नैपड्रैगन 6 जेन 4 मोबाइल प्लेटफ़ॉर्म के साथ 80वाट फ़ास्ट चार्जर और 7000 एमएएच की ग्रेफाइट बैटरी दी गई है। यह सेगमेंट में सबसे ज़्यादा वीसी कूलिंग, 120एच5 एफएचडी+ डिस्प्ले और इंटेलिजेंट नेटवर्क ऑप्टिमाइज़ेशन के साथ आता है, ताकि बेहतर मल्टीटास्किंग, दिलचस्प गेमिंग, लंबी बैटरी लाइफ़ और भरोसेमंद कनेक्टिविटी मिल सके। ओप्पो के13 5जी उपयोगी इनोवेशन, आधुनिक इंजीनियरिंग एंड शानदार डिज़ाइन पेश करने की ओप्पो की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है, ताकि यह अपने सेगमेंट में सबसे बेहतर परफॉरमेंस प्रदान कर सके। ओप्पो के13 5जी 25 अप्रैल 2025 से ओप्पो ई-स्टोर और फ्लिपकार्ट पर दोपहर 12 बजे से दो रंगों - आइसी पर्पल और प्रिज्म ब्लैक में उपलब्ध होगा। इसके 8जीबी+128जीबी वैरिएंट का मूल्य 17,999 रुपये और 8जीबी+256जीबी वैरिएंट का मूल्य 19,999 रुपये है। इस स्मार्टफोन पर ग्राहकों को केवल सेल के दिन चुनिंदा बैंक ऑफर्स के साथ 1000 रुपये का तत्काल डिस्काउंट या 1000 रुपये का एक्सचेंज बोनस दिया जाएगा, जिससे इसका मूल्य क्रमश: 16,999 रुपये और 18,999 रुपये हो जाएगा। इसके अलावा लॉन्च के ऑफर्स में छह महीने तक की नो कॉस्ट इएमआइ शामिल है, जिससे ओप्पो के13 5जी का मूल्य प्रस्ताव और ज्यादा बेहतर हो गया है।

टाटा मोटर्स और टाटा पावर रिन्यूवेबल एनर्जी ने 131 मेगावाट की पवन-सौर मिश्रित परियोजना विकसित करने के लिये भागीदारी की

मुंबई, एजेंसी। भारत की जा प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स और टाटा पावर की स्वच्छ ऊर्जा शाखा टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने मिलकर एक महत्वपूर्ण साझेदारी की है। दोनों कंपनियों ने एक खास समझौते (पावर पर्चेस एग्रीमेंट) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत वे साथ मिलकर 131 मेगावाट की एक पवन और सौर ऊर्जा पर आधारित परियोजना बनाएँगी। यह योजना साफ और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए एक अहम कदम मानी जा रही है।यह परियोजना सालाना आधार पर लगभग 300 मिलियन यूनिट शुद्ध बिजली पैदा करेगी और हर साल 2 लाख टन से ज्यादा सीओ२का उत्सर्जन होने से रोकेगी। यह एकीकृत पवन-सौर मिश्रित समाधान सह-निवेश और लंबे समय के पावर पर्चेस एग्रीमेंट (पीपीए) के माध्यम से संभव हुआ है। यह महाराष्ट्र तथा गुजरात में टाटा मोटर्स की छह विनिर्माण सुविधाओं को हरित एवं किफायती ऊर्जा की भरोसेमंद आपूर्ति करेगा। इससे कंपनी को वाणिज्यिक और यात्री वाहनों के उत्पादन में सहयोग मिलेगा।यह पहल टाटा मोटर्स को उसके 2030 के लक्ष्य से पहले ही क्लीन एनर्जी अपनाने की दिशा में काफी आगे बढ़ा रही है। इससे कंपनी को अपने कामकाज को जलवायु के अनुकूल बनाने में मदद मिल रही है। यह टाटा मोटर्स की पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और टिकाऊ विकास के रोडमैप में एक अहम कदम है।

हायर इंडिया ने ग्रेविटी सीरीज़ लॉन्च की

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार 16 वर्षों से नंबर 1 विश्व का प्रमुख अप्लायंसेज़ ब्रांड हायर अप्लायंसेज़ इंडिया ने एयर कंडीशनर की बहुप्रतीक्षित ग्रेविटी सीरीज़ का अनावरण किया है। फ़ैब्रिक फ़िनिश वाले भारत के एकमात्र द्वि क्लाइमेट कंट्रोल एयर कंडीशनर के रूप में, ये फ़ैब्रिक फ़िनिश वाले अभिनव,ष्ट इंटेलिजेंट कूलिंग तकनीक को सहजता से एकीकृत करते हैं, जो आधुनिक घरों की जलवायु समाधानों के लिए नए मानक स्थापित करते हैं। ग्रेविटी सीरीज़ सात शानदार रंगों में उपलब्ध है- मॉर्निंग मिस्ट, मून स्टोन ग्रे, मिडनाइट ड्रीम, गैलेक्सी स्लेट, एक्वा ब्लू, कॉटन कैंडी और व्हाइट- जो समकालीन घरों के इंटीरियर में प्रीमियम टच जोड़ते हुए बेजोड़ कूलिंग करते हैं।हायर की ग्रेविटी सीरीज़ एसी में क्लाइमेट कंट्रोल की सुविधा है, जो मैनुअल एडजेस्टमेंट के के बिना अनुकूलित आराम के लिए उपयोगकर्ता की प्राथमिकताओं को समझदारी से अपनाता है।

ISWAI ने प्रगतिशील एक्साइज़ नीतियां लागू करने के लिए राज्य सरकारों की सराहना की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में प्रीमियम एल्कॉलिक बेवरेज उद्योग की अधिकारिक संस्था, इंटरनेशनल स्पिरिट्स एण्ड वाईन्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ISWAI ने आज प्रगतिशील एक्साइज़ नीतियां लागू करने के लिए राज्य सरकारों की सराहना की। जिसका उद्देश्य रीटेल फोर्मेट को आधुनिक बनाना, राजस्व बढ़ाना तथा उपभोक्ताओं को बेहतर अनुभव प्रदान करना है। उत्तर प्रदेश के कम्पोज़िट रीटेल फोर्मेट से लेकर आन्ध्र प्रदेश के निजीकृत मॉडल, राजस्थान के प्रीमियम मॉल-आधारित स्टोर्स, मध्य प्रदेश के सिंगल-बॉटल बिलिंग सिस्टम और हरियाणा, तेलंगाना, कर्नाटक एवं उड़ीसा के प्रीमियम ओनली रीटेल फोर्मेट्स तक ये प्रगतिशील नीतियां देश भर में एल्कॉहल रीटेल इकोसिस्टम के संचालन को नया आयाम दे रही हैं। इस सकारात्मक बदलाव का स्वागत करते हुए संजीत पाधी, सीईओ, इंटरनेशनल स्पिरिट्स एण्ड वाईन्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ;ैप्द्ध ने कहा, ''भारत के विभिन्न राज्यों में किए गए सुधार एल्कोबेव सेक्टर की अवधारणा एवं प्रबन्धन में हो रहे आदर्श बदलावों का संकेत हैं।

सोनी लिव का नया डॉक्यू-ड्रामा ब्लैक, व्हाइट एंड ग्रे- लव किल्स

मुंबई, एजेंसी। सोनी लिव की आगामी डॉक्यू-ड्रामा सीरीज 'ब्लैक, व्हाइट एंड ग्रे - लव किल्स' अपने प्रीमियर से पहले ही दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता जगा चुकी है। सही और गलत की धुंधली सीमाओं पर टिकी इसकी रहस्यमय कहानी और नैतिक द्वंद्व से जूझते किरदारों ने इसे प्लेटफॉर्म पर बहुप्रतीक्षित सीरीज बना दिया है। शो के कलाकारों को रिलीज़ से पहले ही ढेरों जिज्ञासु संदेश मिल रहे हैं, जिनमें दर्शक कहानी के रहस्य को सुलझाने के लिए उत्सुक नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर शो को लेकर चर्चाओं का माहौल बना हुआ है - हर तरफ कयास, थ्योरी और जिज्ञासा से भरी बातचीत हो रही है। शो की कहानी को लेकर कलाकार अब तक पूरी गोपनीयता बनाए हुए हैं और हल्के-फुल्के अंदाज़ में दर्शकों से यही कहते हैं - शो शुरू होने दो, सब पता चल जाएगा! इस सीरीज में अहम भूमिका निभा रहीं पलक जायसवाल ने कहा, हमें जो संदेश मिल रहे हैं, वे वाकई चौंकाने वाले हैं! लोग पहले ही कहानी के सुराग जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं और यह अंदाजा लगाने में जुटे हैं।

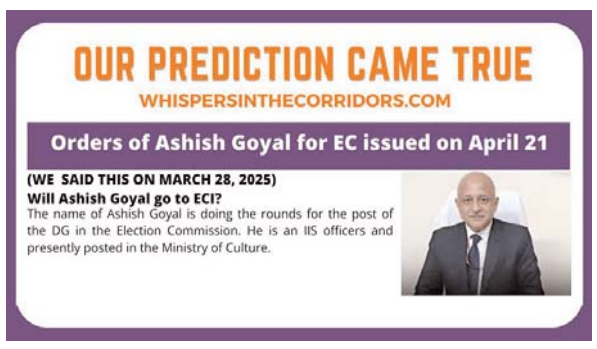

ब्रह्मोस मिसाइल की दूसरी खेप पहुंची फिलीपींस रक्षा निर्यात में शक्तिशाली बन रहा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने अपने रक्षा निर्यात के इतिहास में एक और अध्याय जोड़ते हुए फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल सिस्टम के बैटरी की दूसरी खेप भेज दी है। यह डिलीवरी भारत और फिलीपींस के बीच हुए रक्षा समझौते के तहत की गई है, जो क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग और रणनीतिक साझेदारी की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। चीन पर तलवार रोककर रखने के लिए फिलीपींस को ब्रम्होस देना महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम है। यह दूसरा बैच, अप्रैल 2024 में भेजी गई पहली खेप के बाद आया है, जो भारतीय वायुसेना के एक विशेष विमान के जरिए, नागरिक उड्डयन एजेंसियों की मदद से फिलीपींस पहुंचाई गई थी। ताज़ा खेप भी लगभग छह घंटे की लंबी, बिना रुके उड़ान के जरिए फिलीपींस के पश्चिमी हिस्से में पहुंचाई गई, जिसमें हेवी लोड के साथ यह ऑपरेशन सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम, जिसकी रेंज 290 किलोमीटर और गति 2.8 मैक (यानी आवाज की गति से लगभग तीन गुना) है, दुनिया के सबसे घातक और तेज़ सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में गिनी जाती है। इसे जमीन, समुद्र, वायु और सबमरीन—किसी भी माध्यम से लॉन्च किया जा सकता है। फिलीपींस को तीन बैटरियों की आपूर्ति की जानी है, जिससे उसके सामरिक कौशल में अभूतपूर्व बढ़ोतरी होगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में भारत के रक्षा उत्पादन के आंकड़े साझा करते हुए कहा इस वर्ष रक्षा उत्पादन के 1.60 लाख करोड़ रुपए को पार करने की उम्मीद है, जबकि हमारा लक्ष्य वर्ष 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उपकरण बनाना है। यह लक्ष्य न केवल रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक स्पष्ट रोडमैप दर्शाता है, बल्कि भारत को एक वैश्विक डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी निर्णायक है। 2014 में जहां देश का रक्षा उत्पादन 40,000 करोड़ रुपये के आसपास था, आज वह आंकड़ा 1.27 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच चुका है। 'मेक इन इंडिया' पहल ने इसमें अहम भूमिका निभाई है, जो न केवल घरेलू आवश्यकताओं को पूरा कर रही है बल्कि वैश्विक डिफेंस सप्लाई चेन को मजबूती देने में भी सहायक बन रही है।

भारत की तकनीकी महारत—चाहे वह ब्रह्मोस मिसाइल हो, आईएनएस विक्रांत जैसा स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर, या फिर आईएनएस अरिहंत जैसी न्यूक्लियर पावर्ड सबमरीन—आज विकसित देशों के समकक्ष खड़ा है। यह केवल सैन्य क्षमताओं की बात नहीं, बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता और वैश्विक भरोसे का प्रमाण है।फिलीपींस को ब्रह्मोस की आपूर्ति न सिर्फ भारत की कूटनीतिक और तकनीकी शक्ति का प्रतीक है, बल्कि इस बात का भी संकेत है कि दक्षिण एशिया और प्रशांत क्षेत्र में भारत एक जिम्मेदार, मजबूत और भरोसेमंद रक्षा साझेदार के रूप में उभर रहा है। साथ ही चीन के खतरें को भांपकर रणनीति भी बनाई जा रही है।

आईआईएम रायपुर और एक्सएलआरआई जमशेदपुर ने भारत में अपनी तरह का पहला लीडरशिप प्रोग्राम लॉन्च किया

रायपुर। बिल्डिंगबिजनेसओनर्स के लिए पहचाने जाने वाले अग्रणी संस्थान भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर ने प्राकृतिक जीवन से रणनीति और नेतृत्व के सबक थीम पर एक अग्रणी कार्यकारी कार्यक्रम को सावधानीपूर्वक तैयार किया है। 3 दिवसीय कार्यक्रम प्रतिष्ठित एक्सएलआरआई जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट जमशेदपुर के साथ साझेदारी में तैयार किया गया है। प्रतिभागियों के नामांकन जमा करने और स्वीकार करने की अंतिम तिथि 10 जून 2025 है। महाराष्ट्र के ताडोबा टाइगर रिजर्व में 7-10 नवंबर, 2025 तक आयोजित होने वाली इस अनूठी नेतृत्व पहल का उद्देश्य सी-सूट के अधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं को प्रकृति से प्रेरित होकर, स्थायी उद्यम विकास के लिए एक बेहतर रणनीति विकसित करने में मदद करना है। आईआईएम रायपुर के निदेशक, प्रोफेसर राम कुमार काकानी ने कहा प्रकृति हमेशा से खूबसूरत नजर आने के साथ बेहतरीन रणनीतिकार और नए और बेहतर प्रयोग करने के लिए तत्पर रही है।

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने नए वेयरहाउस का उद्घाटन किया

भोपाल। उभरते बाजारों में अग्रणी एफएमसीजी कंपनी गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड जो टिकाऊ और स्केलेबल समाधानों के लिए प्रतिबद्ध है, ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी में अपने पहले वर्टिकल स्टोरेज वेयरहाउस का उद्घाटन किया। यह अत्याधुनिक सुविधा जीसीपीएल की आपूर्ति श्रृंखला संचालन में रणनीतिक परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो प्रोजेक्ट परिवर्तन के तहत लॉन्च किया गया है। यह एक प्रमुख पहल है जो नवाचार, दक्षता और स्थिरता को केंद्र में रखकर वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स को नए सिरे से परिभाषित करती है।

वेयटेक ने भारत में अपना विस्तार किया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्विट्जरलैंड स्थित वेयग्रुप एजी की अनुषंगी वेयटेक्नोलॉजी इंडिया लिमिटेड ने भारतीय बाजार को लेकर अपनी मजबूत एवं बढ़ती प्रतिबद्धता दोहराते हुए नई दिल्ली में अपने दूसरे इंडिया एक्सपीरिएंस सेंटर का उद्घाटन किया है। यह अत्याधुनिक सुविधा मुंबई में वेयटेक के मौजूद एक्सपीरिएंस सेंटर की पूरक है और यह ट्रेडिंग फ्लोर्स, कमांड एंड कंट्रोल रूम और सिक्युरिटी ऑपरेशंस सेंटर्सजैसे मिशन के महत्व वाले वातावरण के लिए इस कंपनी की अत्याधुनिक टेक्नोलॉजीज़ को जीवंत रूप से प्रदर्शित करने का काम करेगा। इस नई दिल्ली एक्सपीरिएंस सेंटर का औपचारिक रूप से उद्घाटन वेयग्रुप एजी के बोर्ड के चेयरमैन एवं सीईओ अर्मिन क्लिंगलर, वेयग्रुप के डिप्टी सीईओ एवं सीएफओ पास्कल क्रेइनबुह्ल और वेयटेक्नोलॉजीज़ इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राजीव भल्ला द्वारा किया गया।

अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट की रखी नींव

सालबोनी, (पश्चिम बंगाल), एजेंसी। जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड, जो भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी बिजली उत्पादक और 24 बिलियन डॉलर के जेएसडब्ल्यू ग्रुप का हिस्सा है, ने आज पश्चिम बंगाल के सालबोनी में अपने अत्याधुनिक 1,600 मेगावाट (2×800 मेगावाट) के अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट का निर्माण कार्य शुरू किया।

कोटा फैक्ट्री के रीयल जीतू भैया -एनवी सर के छात्रों ने जेईई मैन्स में किया कमाल

कोटा, एजेंसी। शैक्षणिक उत्कृष्टता के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में, कोटा के असली जीतू भैया - एनवी सर (श्री नितिन विजय) के नेतृत्व में मोशन एजुकेशन ने एक बार फिर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में नए मानक स्थापित किए हैं। जेईई मेन 2025 के अब तक के परिणामों के आधार पर, मोशन एजुकेशन के 65.8 प्रतिशत छात्रों ने जेईई एडवांस्ड के लिए क्वालिफाई किया है, जो राष्ट्रीय औसत 16.25 प्रतिशत से काफी आगे है। मोशन ने साबित कर दिया है कि सामान्य छात्र भी सही मार्गदर्शन और संसाधनों के साथ भारत की सबसे कठिन परीक्षाओं जैसे आईआईटी-जेईई या नीट में सफलता पा सकता है।

पहले दिन सीएमएचओ कार्यालय के अधिकारियों कर्मचारियों ने समझे फायर सेफ्टी के उपाय

भोपाल। अग्नि सुरक्षा जागरूकता के लिये फायर सेफ्टी सप्ताह का आयोजन जिले की समस्त शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में किया जा रहा है। सप्ताह के पहले दिन 21अप्रैल को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल के अधिकारियों और कर्मचारियों को फायर सेफ्टी पर हैंड्सऑन ट्रेनिंग दी गई। जिसमें आग से बचाव के तरीकों, इलेक्ट्रिकल फायर सेफ्टी, आकस्मिक स्थितियों में निकासी के तरीकों पर जानकारी दी गई। 21 से 26 अप्रैल तक संचालित ये सप्ताह की थीम पर मनाया जा रहा है। ग्रीष्मकाल में तापमान के बढ़ने तथा एयर कंडीशनर , कूलर इत्यादि उपकरणों के अधिक उपयोग के कारण विद्युत प्रणाली पर अत्यधिक भार पड़ता है। इस कारण से अग्नि दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है । स्वास्थ्य संस्थानों में अग्नि सुरक्षा के प्रावधानों की निगरानी के संबंध में तैयारियों को लेकर फायर सेफ्टी सप्ताह के दौरान उच्च विद्युत भार वाले चिकित्सकीय एवं अन्य उपकरणों के रखरखाव, गहन चिकित्सा इकाई , नवजात शिशु देखभाल इकाई , ऑपरेशन थिएटर आदि ऑक्सीजन समृद्ध वातावरण में अग्नि एवं विद्युत सुरक्षा मानकों के पालन, फायर रिस्पांस प्लान्स की उपलब्धता, ज्वलनशील सामग्रियों का उचित संधारण एवं निपटान की परख की जा रही है। बिस्तरीय क्षमता के अनुरूप फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट, अग्नि सूचक तथा अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता के साथ-साथ उन्हें संचालित करने हेतु यूजर मैन्युअल की उपलब्धता , फायर रिस्पांस प्लान, अस्पताल कर्मचारियों व चिकित्सकों को अग्नि सुरक्षा एवं आपातकालीन स्थिति में उपकरणों के उपयोग तथा कोड रेड ऑल क्लियर के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं के पालन हेतु उन्मुखीकरण किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा सभी स्वास्थ्य संस्थानों को फायर सेफ्टी से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं । स्वास्थ्य संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों एवं चिकित्सकों को अग्नि सुरक्षा एवं आपातकाल स्थिति में अग्नि सुरक्षा उपकरणों के उपयोग के लिए प्रशिक्षण,मॉक ड्रिल , फायर सेफ्टी सम्बन्धी दस्तावेजों का भौतिक निरीक्षण किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि अग्नि से सुरक्षा के प्रावधानों को सुनिश्चित करने के लिए सभी अस्पतालों के कर्मचारी एवं चिकित्सकों को इसकी मानक प्रक्रियाओं के संबंध में उन्मुखीकरण करवाया जा रहा है। सभी अस्पतालों को नगर निगम एवं जिले के विद्युत सुरक्षा अधिकारी से समन्वय कर फायर सेफ्टी को सुनिश्चित करवाया जा रहा है।

29 या 30 अप्रैल अक्षय तृतीया कब? जानें पूजा व खरीदारी का शुभ मुहूर्त

हर साल वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया मनायी जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अक्षय तृतीया पर स्नान-दान, खरीदारी, व भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का पूजन करना पुण्यदायक माना जाता है। इस दिन कई लोग सोना या चांदी भी खरीदते हैं, जिसके लिए मुहूर्त देखा जाता है। वैसे अक्षय तृतीया को ज्योतिष में स्वयंसिद्ध मुहूर्त भी कहा जाता है। अत: इस दिन कोई भी शुभ कार्य किया जाता है। 29 या 30 अप्रैल अक्षय तृतीया कब: पंचांग अनुसार, वैशाख, शुक्ल पक्ष तृतीया तिथि अप्रैल 29, 2025 को शाम 05:31 बजे प्रारम्भ होगी और अप्रैल 30, 2025 को दोपहर 02:12 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार, 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया मनाई जाएगी।

अक्षय तृतीया पूजा मुहूर्त: 05:41 ए एम से 12:18 पी एम
अवधि - 06 घण्टे 37 मिनट्स
अप्रैल 29, 2025 को सोने की खरीदारी का शुभ मुहूर्त
अक्षय तृतीया पर सोना खरीदने का समय- 05:31 पी एम से 05:41 ए एम, अप्रैल 30
अवधि - 12 घण्टे 11 मिनट्स
अक्षय तृतीया के साथ व्याप्त शुभ चौघड़िया मुहूर्त
सायाह्न मुहूर्त (लाभ)- 08:16 पी एम से 09:37 पी एम
रात्रि मुहूर्त (शुभ, अमृत, चर)- 10:57 पी एम से 03:00 ए एम, अप्रैल 30

पूजा-विधि: मत्स्य पुराण के अनुसार, अक्षय तृतीया के दिन अक्षत, पुष्प, दीप आदि द्वारा भगवान विष्णु, मां लक्ष्मी की आराधना से विशेष कृपा बनी रहती है। संतान भी अक्षय बनी रहती है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान कर सामर्थ्य अनुसार जल, अनाज, गन्ना, दही, सत्तू, सुराही, हाथ से बने पंखे आदि दान करने से विशेष फल मिलता है।

अक्षय तृतीया का महत्व: मान्यता है अक्षय तृतीया केदिन विष्णु भगवान के छठे अवतार भगवान परशुराम काजन्म हुआ था। इस दिन गंगा मइया धरती पर अवतरित हुई थी। सतयुग, द्वापर और त्रेतायुग के प्रारंभ की गणना इसी दिन से शुरू होती है। इसी दिन बद्रीनाथ के पट खुलते हैं और वृंदावन में बांके बिहारी के चरणों के दर्शन वर्ष में एक बार होते हैं। अक्षय तृतीया में खरीदारी के साथ दान-पुण्य का विशेष महत्व रहेगा।

डिस्क्लेमर: इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य एवं सटीक हैं। विस्तृत और अधिक जानकारी के लिए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

संतोष चौबे की नयी पुस्तक-परंपरा और आधुनिकता, ऐसे खुलती गई लेखक के रचनात्मक व्यक्तित्व की अंदरूनी परतें!

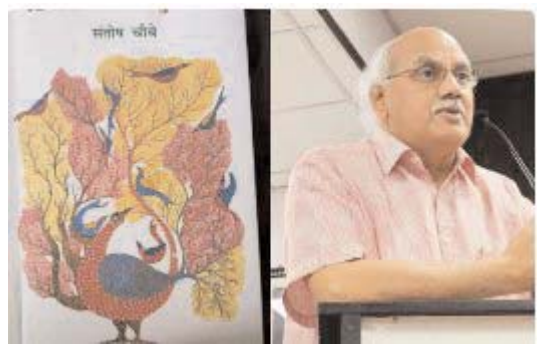

बहुआयामी रचनाकार संतोष चौबे की पुस्तक परंपरा और आधुनिकता संस्कृति, इतिहास , कला, दर्शन, प्रकृति और रचनात्मकता के विभिन्न आयामों के दृश्य प्रस्तुत करते चलती है. हमारे समय में ऐसे साहित्यकार कम है जो बौद्धिक ऊर्जा के साथ-साथ रचनात्मक प्रतिभा भी धारण करते हैं और सतत् सृजनरत है. संतोष जी उस तरह के विरल व्यक्ति हैं. हिंदी भाषा समुदाय के पुराने तथा नए रचनाधर्मियों के साथ दुनिया भर में वे समन्वय बनाते हुए चल रहे हैं .

परंपरा और आधुनिकता पुस्तक के आलेखों के संचयन में उनके रचनात्मक व्यक्तित्व की अंदरूनी परतें खुलती जाती हैं, जिसमें उनकी वैचारिक और सामाजिक आस्थाएं उभर कर सामने आती है .यह प्रस्तुतीकरण इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है कि यह इतिहास की पड़ताल करते हुए भविष्य तक की कार्य योजनाओं का निर्माण करता है. इसे पढ़ने की प्रक्रिया में कुछ पुरानी धारणाएं बादल भी सकती हैं और नए वैचारिक परिदृश्य उपस्थित हो सकते हैं. सारे आग्रहो - दुराग्रहों, सहमति -असहमति के संकुचित दायरे से निकलकर यह पुस्तक चिंतन परंपरा को प्रतिष्ठित करती चलती है. संसार भर में संभवत आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि अथवा बौद्धिक दर्शन की ऐसी कोई भी ऊंचाई नहीं है कि जिसका समतुल्य पुरातन वैदिक ऋषियों और अर्वाचीन विस्तृत ऐतिहासिक काल में ना पाया जाता हो . प्रोफेसर गिल्बर्ट मरे के शब्दों में प्राचीन भारत मूल में दुखद होने पर भी विजय और एक विशिष्ट उज्जवल प्रारंभ है ,जो चाहे कितनी भी संकट पूर्ण स्थिति में क्यों ना हो ,संघर्ष करते-करते उच्च शिखर तक पहुंचा है.संतोष जी ने वैदिक कवियों की निश्चल सूक्तियां ,उपनिषदों की अद्भुत सांकेतिकता और विलक्षण मनोवैज्ञानिक विश्लेषण ,शंकर का विस्मयकारी दर्शन जैसे सांस्कृतिक दृष्टिकोण को कंसीडर करते हुए अपने आलेखों के माध्यम से निष्पक्ष और वैज्ञानिक भाव से समझाया है. इसे पढ़ते हुए अनुभव किया जा सकता है सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भारतीय विचारधारा दुनिया भर की समस्त विचारधाराओं से भिन् न होते हुए भी विशिष्ट हैं तथा इसका प्रभाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है. भारत की प्राचीन अद्भुत रचनाओं में साहस पूर्ण अतिशयोक्तियां देखी जा सकती है ,फिर भी उनके भीतर प्रवाहित होने वाले विचार और चेतना आज के समय में भी महत्वपूर्ण हैं. संतोष जी इतिहास में जाते हैं ,युक्तियुक्त तरीके से विभिन्न विचारधाराओं तथा दृष्टान्तों को आज के संदर्भ में प्रस्तुत करते हैं .

भारतीय विचार के इतिहास को अविभक्त एवं संपूर्ण इकाई के रूप में प्रतिपादित करने का प्रयास डॉक्टर राधा कृष्णन द्वारा भारतीय दर्शन में किया गया . जिसमें उन्होंने आरंभिक वैदिक काल से लेकर ऐतिहासिक विकास का विवेचन करते हुए प्रमुख धाराओं, विविध धर्म परंपराओं तथा भारत के विशिष्ट आध्यात्मिक विचार की विस्तृत स्पष्ट व्याख्या की है. इन आलेखों में तार्किक भावनाओं से अवगत कराया है और यह भी बताया है कि केवल वैचारिक स्तर पर बात ना करते हुए क्रियान्वयन किया जाना अत्यंत आवश्यक है.इन आलेखों में एक तरह से दृढ़ता पूर्वक तर्क दिया गया है कि वास्तविक परिवर्तन और उन्नति प्राचीन परंपरा के मर्म को आत्मसात करने के बाद ही संभव है.इस संबंध में मैक्स मूलर ने लिखा है , मैं जो अनुभव करता हूं, वह यह है कि किसी प्राचीन दर्शन के प्रत्यय वचनों की पुनरावृति ही पर्याप्त नहीं है ,अपितु उचित है कि हम पहले उन प्राचीन समस्याओं को अपने आगे रखें, उन्हें अपना समझे और फिर उन प्राचीन विचारकों के पद चिन्हों का, जिन्हें वे अपने पीछे छोड़ गए हैं , का अनुसरण करने का प्रयत्न करें .

तथ्यों का संग्रह और साक्ष्य का एकत्रीकरण एक महत्वपूर्ण भाग अवश्य है ,किंतु उससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है की वर्तमान परिस्थितियों में और उक्त संबंध में तथ्यों और विचारों को जनसाधारण को आकर्षित करने के लिए उपयोगी साहित्य रचा जाए। वर्तमान परिदृश्य में उनके अंतर संबंधों की पड़ताल करने वाले आलेख अपने समय की चुनौतियों को रेखांकित करते हुए नई सोच की ओर इंगित करते हैं .संतोष जी मात्र शब्द शिल्पी नहीं है ,वे वैश्विक दृष्टिकोण रखने वाले विचारक भी हैं . लगभग 20 वर्षों से विभिन्न विषयों पर उनके विचारों व दृष्टि को इन लेखों में देखा जा सकता है .यह आलेख एक तरह से वैचारिक परिपक्वता की सीढ़ियां चढ़ने की प्रक्रिया को दर्शाते हैं. परंपरा और आधुनिकता के भिन्न-भिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा से लेकर विरासत ,कविता में जीवन दृष्टि, विज्ञान ,चित्रकला , रचनात्मकता और प्रकृति, बाल साहित्य का क्षेत्र, डिजिटल समय में साहित्य ,वर्चुअल दुनिया की संभावना, प्रवासी साहित्य, तापमान वैश्विक स्तर पर हिंदी का परिदृश्य तथा विश्व रंग की भूमिका जैसे विषयों पर उन्होंने अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है .

वे विज्ञान के साधक है अत: इन निबंधों में भी अपनी बात की पुष्टि के लिए वह एविडेंस प्रस्तुत करते चलते हैं .परिपक्वता के लिए अपने विचारों के आधार के प्रति उनकी कृतज्ञता हर निबंध में परिलक्षित होती है . परंपरा व आधुनिकता के अंतर को समझने के लिए वे 3000 वर्ष ईसा पूर्व के कालखंड को टटोलते हुए बढ़ते हैं . इस काल यात्रा में कला और साहित्य पर इतिहास की घटनाओं के प्रतिबिंब की विस्तृत व्याख्या की गई है .देश की भौगोलिक सीमाओं राजनीतिक धार्मिक मान्यताओं व सांस्कृतिक विरासत का प्रभाव बौद्धिक संपदा व कला पर देखा गया है .मुसलमान के आक्रमण और आधिपत्य ने हमारी विविधता को नया आयाम दिया यूरोपीय ने हमारी सभ्यता को प्रभावित किया. परंपरा के संबंध में वे लिखते हैं ,परंपरा कोई एक नहीं बल्कि अनेक है और अनेकता का सम्मान किया जाना चाहिए . पहला आलेख लंबा है , जिसके अंत में संतोष जी ने आधुनिकता की सही पहचान के बारे में लिखा है कि वह एक दृष्टि है जो इतिहास के प्रवाह को पहचानती है विविधता और भिन्नता का सम्मान करती है और मानवीय गरिमा के पक्ष में काम करती है।

अनहोनी कभी भी होती नहीं जो होनी है वही होती है फिर चिंता क्यों करते हो: बसंत महाराज

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा की पावन धरा पर संत तारण तरण मंडल आचार्य जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य अध्यात्म रतन ,बाल, ब्रह्मचारी इतिहास रत्नाकर बसंत जी महाराज का नगर आगमन हुआ अमरवाड़ा तारण भवन में श्रद्धालुओं की शंकाओं का समाधान करते हुए बताया कि संसार में तुम अकेले आए हो और संसार से तुम अकेले ही जाओगे । ना तो कुछ वैभव तुम साथ लाए हो और ना ही कुछ तुम साथ लेकर जाओगे। मात्र धर्म या कर्म ही तुम्हारे साथ जाने वाला है अतः अब स्वयं सोच लो कि इस जीवन में करना क्या है...यदि जीवन में कुछ अनहोनी होवे तो उसकी चिंता करो किंतु अनहोनी कभी भी होती नहीं जो होनी है वही होती है. फिर चिंता क्यों करते हो। अतीत में जो होना था वह हो चुका, उसे भूल जाओ भविष्य में जो होना होगा वह होगा उसकी चिंता मत करो वर्तमान में जिओ, साक्षी रहो यही जीवन की सार्थकता है। महाराज श्री के आहार आज अमित कुमार के यहां होने के पश्चात महाराज ने जैन पत्रकार परिवार के यहां पहुंचकर उन्हें समझाया एवं आशीर्वाद प्रदान किया ।

समयमान आदेश पाते ही खिल उठे चेहरे

छिंदवाड़ा। नगर निगम छिंदवाड़ा में सोमवार का दिन कर्मचारियों के लिए विशेष सौगात लेकर आया। नगर

निगम महापौर विक्रम अहके के निर्देश पर नगर निगम आयुक्त चंद्रप्रकाश राय ने नगर निगम के कार्यरत 17 वरिष्ठ कर्मचारियों के समयमान के आदेश जारी किए। इन आदेशों का वितरण सोमवार को महापौर विक्रम अहके द्वारा किया गया। आदेश पाते ही वरिष्ठ कर्मचारियों के चेहरे मुस्कान से खिल उठे। इसके साथ ही एक अन्य को अनुकम्पा नियुक्ति का आदेश भी महापौर द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त कमलेश निरगुडकर, कार्यालय अधीक्षक मोहन नागदेव, स्थापना शाखा से राजेन्द्र सोनी, संतोष सोलंकी एवं मुकेश व्दिवेदी शामिल रहे।

जे.ई.ई. में प्रथम स्थान

छिंदवाड़ा। छात्र पीयूष राउत पिता भद्दू राउत माता

श्रीमती कल्पना राउत निवासी ग्राम गोन्दरा ,पोष्ट - उभेगांव ने शासकीय उ.मा.विद्यालय उभेगाँव में अध्ययन कर जे.ई.ई. में 84.90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विकासखण्ड में प्रथम स्थान प्राप्त किया, इस सफलता का श्रेय जिला कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, मार्गदर्शक प्राचार्य तथा समस्त शिक्षकों को दिया ।

पक्षियों का जीवन बचाने के लिए घरों घर बांटे जल पात्र

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा नगर की प्रतिष्ठित, समाजसेवी, अग्रणी संस्था नवदीप उच्च.माध्यमिक विद्यालय में वन्य प्राणियों एवं पक्षियों के प्रति संचेतना

जागृत करने के लिए संस्था प्रमुख के मार्गदर्शन पर संस्था नवदीप उच्च. माध्य. विद्यालय के छात्र छात्राओं के द्वारा पक्षियों को भीषण गर्मी से अपनी प्यास बुझाने के लिए दाना एवं पानी रखने के पात्र का घर-घर जाकर वितरण किया गया।गर्मी में मानव हो या फिर पशु पक्षी सभी को ठंडे जल की तलाश रहती है लोगों के लिए तो जगह-जगह प्याऊ नल के साथ ही पानी की उचित व्यवस्था मिल ही जाती है। परंतु पक्षियों को पीने के लिए पानी और भोजन के लिए बड़ा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम पक्षियों के लिए दाना व पानी की उचित व्यवस्था कर अपनी जिम्मदारी का निर्वहन करें ताकि खुले आसमान और धूप में विचरण करने वाले पक्षियों को राहत मिल सके। संस्था प्राचार्या ने विद्यार्थियों को बताया कि प्राकृतिक अंधाधुंध दोहन से पक्षियों के लिए भोजन और जल की किल्लत और परेशानी बढ़ गई है। गर्मी के दिनों में कई पक्षी पानी की कमी के कारण मर जाते हैं इन पक्षियों को हम पानी पिलाकर नया जीवन दान दे सकते हैं। यदि हम प्रतिदिन घर की छत पर छांव वाले स्थान में पानी का बर्तन रखे तो सैकड़ो पक्षियों की हम प्यास बुझा सकते हैं।

राष्ट्रीय हिंदू सेना एवं बजरंग दल की मदद से पकड़े गए गोवंश

अमरवाड़ा। राष्ट्रीय हिंदू सेना ब्लॉक अध्यक्ष राजवीर नाथ ने बताया कि मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई छपरा की ओर से गाय का ट्रक अमरवाड़ा की तरफ आ रहा है जिसका राष्ट्रीय हिंदू सेना एवं बजरंग दल के साथियों ने अमरवाड़ा से ट्रक का पीछा करते हुए सिंगोड़ी के पास धर दबोचा ड्राइवर कंडक्टर ट्रक को रोड के बाजू में उतार कर भाग गए जिसमें 32 नग गोवंश थे जिनमे दो गोवंश मृत पाए सभी का वंश को शारदा माई गौशाला थांवरी अमरवाड़ा लाया गया एवं मृत गौवंश का विधिवत अंतिम संस्कार किया गया जिसमें राष्ट्रीय हिंदू सेना अमरवाड़ा ब्लॉक अध्यक्ष राजवीर नाथ राष्ट्रीय हिंदू सेना गौ रक्षा प्रमुख नितिन कलार बजरंग दल गौ रक्षा प्रमुख गोलू सराठे अक्कू विश्वकर्मा संदीप वर्मा शरद मालवी आशीष राजपूत गजेंद्र राजपूत एवं राष्ट्रीय हिंदू सेवा और बजरंग दल के कार्यकर्ता मौजूद रहे।। वही अमरवाड़ा पुलिस के द्वारा आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है और जिनकी तलाश प्रारंभ कर दी गई है

नरवाई जलाने और आगजनी की अन्य घटनाओं पर सख्ती से करें कार्यवाही : कलेक्टर

सरकारी स्कूलों के 127 विद्यार्थी ले सकेंगे इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में समय सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में सीएम हेल्पलाइन, सीएम कार्यालय, सीएम हाउस, विभिन्न आयोगों, वरिष्ठ कार्यालयों एवं न्यायालयों से जुड़े लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की। साथ ही विभिन्न समसामयिक एवं अंतर्विभागीय मुद्दों पर भी चर्चा की और महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।

आगजनी की घटनाओं पर हो कड़ी कार्यवाही

जिले में नरवाई जलाने और वन क्षेत्र आदि आगजनी की घटनाएं प्रकाश में आने पर कलेक्टर श्री सिंह ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि इन घटनाओं के बारे में समय पर जानकारी प्रशासन को नहीं देने पर संबंधित पटवारियों को एस.सी.एन. जारी करें। साथ ही जिन किसानों के खेत में नरवाई जलाने की घटनाएं हुई हैं, एक्ट के तहत उन पर जुर्माना लगाएं और बी.एन.एस की धारा 163 के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के उल्लंघन पर एफ. आई. आर दर्ज कराएं। वन क्षेत्र में होने वाली आगजनी की घटनाओं पर भी विभाग सख्ती से कार्यवाही करे। इन घटनाओं को रोकने के पुख्ता इंतजाम किए जाएं।

सरकारी स्कूलों के 43 बच्चे हुए जेईई एडवांस के लिए क्वालीफाई

जिले के इतिहास में पहली बार जिले के सरकारी स्कूलों के 43 विद्यार्थी जेईई एडवांस के लिए सफल हुए हैं। इन विद्यार्थियों को शामिल करते हुए सरकारी स्कूलों के कुल 127 विद्यार्थी जेईई परीक्षा में 50 प्रतिशत से अधिक परसेंटाइल से उत्तीर्ण हुए हैं, जिससे उन्हें आसानी से किसी भी इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन मिल जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा यह जानकारी देने पर, कलेक्टर श्री सिंह ने आनंदित होकर स्कूल शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग की पूरी टीम को बधाई दी। साथ ही इन सभी 43 बच्चों की जेईई एडवांस की बेहतर तैयारी के लिए जिला स्तर पर किसी छात्रावास में एक साथ व्यवस्था बनाने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी और सहायक संचालक जनजातीय कार्यविभाग को दिए हैं।

क्षत्रिय भवन तक हुए अतिक्रमण को हटवाएं

समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि प्रभारी अधिकारी भू अभिलेख को खसरे की समग्र एवं आधार से लिंकिंग कार्य में प्रगति लाएं और फॉर्मर रजिस्ट्री की स्पीड बढ़ाएं। नगर निगम आयुक्त एवं तहसीलदार छिंदवाड़ा को यदि अतिक्रमण की शिकायत सही है, तो लालबाग रेलवे क्रॉसिंग से क्षत्रिय भवन तक हुए अतिक्रमण को हटवाएं। महाप्रबंधक प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क, जनसुनवाई में आए आवेदन पर कार्यवाही करते हुए जनपद पंचायत जुन्नारदेव की ग्राम पंचायत आलमोद में सड़क निर्माण एवं मरम्मत का कार्य शीघ्र कराएं और ग्रामीणों की समस्या का समाधान करें। उन्होंने सभी कार्यालय प्रमुखों को अप्रैल माह में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के पूर्ण रूप से तैयार पेंशन प्रकरण यथाशीघ्र पेंशन कार्यालय भेजने के निर्देश दिए हैं।

आईपीएल में लग रहे सट्टा का पुलिस ने किया भंडाफोड़, आरोपी गिरफ्तार

मुंबई इंडियन और चेन्नई सुपर किंग पर लग रहा था सट्टा

छिंदवाड़ा। पुलिस ने आईपीएल सट्टेबाजी के एक बड़े मामले का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच मैच पर सट्टा लगाते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पुलिस ने लैपटॉप, मोबाइल फोन और नगद राशि सहित कुल रू. 70,000 का सामान बरामद किया है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान: पुलिस ने अतुल कुशवाह नामक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसकी उम्र 25 वर्ष है और वह चौरई का निवासी है। अतुल के पास से एक कंपनी का लैपटॉप, दो एंड्रॉइड मोबाइल फोन, एक खाली पिट्ठू बैग और रू. 5000 नगद बरामद हुए हैं।

सट्टाबाजी का मास्टरमाइंड फरार: पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि यह सट्टा आईडी विशाल नागर ने उसे संचालित करने के लिए दी थी, जो वर्तमान में फरार है। पुलिस विशाल नागर की तलाश कर रही है।

पुलिस की कार्रवाई: यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अजय पाण्डेय के निर्देशों पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता और नगर पुलिस अधीक्षक अजय सिंह राणा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी के नेतृत्व में की गई। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर जैल बगीचा में दबिश दी और आरोपी को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने जप्त की सामग्री: पुलिस ने आरोपी के पास से एक कंपनी का लैपटॉप, दो एंड्रॉइड मोबाइल फोन,एक खाली पिट्ठू बैग, ?5000 नगद कुल मशरूका रू. 70,000 जब्त किया।

इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका: थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी, सउनि बृजेश रघुवंशी, आरक्षक विकास बैस, सायबर आरक्षक नितिन सिंह और आरक्षक आदित्य रघुवंशी ने इस कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कांग्रेस ने घर-घर दी दस्तक, आमजन से लिए हस्ताक्षर

भाजपा के द्वारा किए गए टैक्स वृद्धि के खिलाफ सड़क पर उतरी कांग्रेस

छिन्दवाड़ा। राज्य व केन्द्र की भाजपा सरकार ने महंगाई से पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ दी है। डीजल, पेट्रोल व रसोई गैस सिलेण्डर से लेकर प्रत्येक रोजमर्रा की सामग्री ने घर की रसोई से लेकर सड़क पर चलना भी महंगा कर दिया है। रही सही कसर निगम की भाजपा सरकार टैक्स में वृद्धि कर नागरिकों की जेब खाली करने पर तुली है। जिसका विरोध करने कांग्रेस सड़क पर उतरी।शहर कांग्रेस कमेटी व कांग्रेस पार्षद दल के द्वारा भाजपा की सरकार के द्वारा बढ़ाए गए जलकर, सम्पत्तिकर व स्वच्छता में भारी बढ़ोत्तरी की गई है जिसका सीधा असर आमजन की जेब पर पड़ रहा है। कांग्रेस जनहित में लगातार महा हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से कर वृद्धि के खिलाफ जनसमर्थन जुटा रही। कांग्रेस के महा हस्ताक्षर अभियान का जनता खुलकर समर्थन कर रही साथ ही भाजपा की जनविरोधी टैक्स नीति की खिलाफत भी कर रही है।शहर कांग्रेस व कांग्रेस पार्षद दल के द्वारा आज वार्ड क्रमांक 06 ऊंटखाना वार्ड में हस्ताक्षर अभियान चलाया। कांग्रेस के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के द्वारा घर-घर पहुंचकर टैक्स वृद्धि के खिलाफ आमजन से हस्ताक्षर करवाए। आयोजित अभियान में बड़ी संख्या में कांग्रेस के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, कार्यकर्तागण व बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

प्रदेश में ट्रेकिंग के लिए सबसे अच्छा स्थान है छिंदवाड़ा: कलेक्टर

छिन्दवाड़ा। म.प्र. टूरिज्म बोर्ड, जिला प्रशासन और इंडिया हाईक्स मिलकर छिंदवाड़ा में राष्ट्रीय स्तर के ट्रेकिंग प्रोग्राम आयोजित करने जा रहें हैं। मानसूनी सीज़न में होने वाले ट्रेकिंग रूट पर सोमवार को मंथन किया गया। कलेक्टर श्री शीलेन?द्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में इंडिया हाईक्स के प्रतिनिधि नीतेश कुमार ने छिंदवाड़ा में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की ट्रेकिंग का प्लान बताया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अग्रिम कुमार, पर्यटन प्रबंधक श्री गिरीश लालवानी भी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जितने भी ट्रेकिंग प्रोग्राम होंगे, सभी में स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलें, इसका विशेष ध्यान दिया जाए। ट्रेकिंग ग्रुप के साथ स्थानीय गाइड रहें और अन्य संसाधन भी स्थानीय स्तर पर जुटाने का प्रयास हों। उन्होंने कहा कि यदि ऐसे स्थानों पर ट्रेकिंग हो रही है, जहाँ होम-स्टे उपलब्ध है, तो ट्रेकर्स को होम-स्टे में रुकवाया जाए, ताकि आर्थिक गतिविधियां सुदृढ़ हों। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश में ट्रेकिंग के लिए छिंदवाड़ा सबसे बेहतरीन स्थान है और ट्रेकिंग में जिला प्रशासन पूरा सहयोग देगा। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अग्रिम कुमार ने सुझाव दिया कि यदि स्थानीय ट्रेकर्स इसमें शामिल होना चाहते हों तो उनकी भी सहभागिता ट्रेकिंग प्रोग्राम में हो। बैठक के बाद इंडिया हाईक्स के प्रतिनिधि श्री नितेश कुमार ने डीएफओ श्री साहिल गर्ग से मुलाकात की और मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के सहयोग के होने वाली राष्ट्रीय स्तर की ट्रेकिंग की जानकारी दी।

28 तक नि:शुल्क होगी नेत्रों की जांच

251 कुंडीय यज्ञ हो राह कनकधाम में

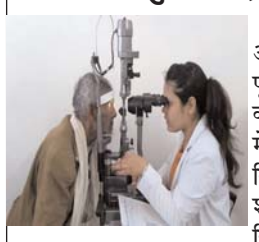

चौरई । ज़नाधिकार सेवा समिति के अध्यक्ष संदीप श्रीराम रघुवंशी ने बताया कि पूज्य संत यज्ञ सम्राट 1008 ब्राम्हलीन श्री कनकबिहारी दास महाराज जी की पुण्य स्मृति मे आयोजित 251 कुण्डीय यज्ञ के अवसर पर दिनांक 18 अप्रैल दिन शुक्रवार से 26 अप्रैल शनिवार तक एशियन केयर आई हॉस्पिटल छिंदवाड़ा द्वारा बी पी शुगर फ्री जांच आँखों की फ्री जांच तथा मोतियाबिंद का ऑपरेशन निशुल्क किया जावेगा अतः समस्त मरीज़ो से निवेदन है कि अपना नाम मोबइल नंबर पंजीयन करवाकर निशुल्क सेवा का पुण्य लाभ अवश्य ले तथा अपने स्वास्थ्य सम्बन्धी अन्य जांच भी अवश्य करवाये हमारे जीवन मे दवा और दुआ दोनों कि आवश्यकता है यज्ञस्थल कनक भवन पर प्रातः 10 से दोपहर 2 बजे तक तथा दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक कथा स्थल गोसाई बाबा के पास सर्रा पीपल बर्रा मे यह शिविर 26 तारीख़ तक आयोजित है इस शिविर के आयोजक संदीप रघुवंशी ने समस्त धर्मप्रेमी बंधुओ से अपील व आग्रह किया है कि यज्ञ के साथ साथ अपने शरीर कि समस्त जांच इस शिविर मे जरूर करवाइये तथा सदा स्वस्थ रहे यही प्रार्थना प्रभु रामजी व यज्ञ नारायण भगवान से की है

अहिंसा प्रेमी समाज पर लगातार हो रहे प्रहार के खिलाफ कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

छिन्दवाड़ा। देश व सम्पूर्ण विश्व में अहिंसा प्रेमी के रूप में पहचानी जाने वाली जैन समाज पर देश के अलग-अलग हिस्सों में हमले हो रहे हैं। इतना ही नहीं उनके धार्मिक स्थल को गैरकानूनी ढंग से तोड़ा जाना बेहद चिंताजनक व असंवैधानिक भी है। जैन समाज को जिस तरह से निशाना बनाया जा रहा है वह कानून व्यवस्था पर भी प्रश्न चिन्ह लगा रही हैं। उक्त उदगार व्यक्त करते हुए कांग्रेस धर्म एवं उत्सव प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि मंडल ने ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए व्यक्त किए।कांग्रेस धर्म एवं उत्सव प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष आनंद बक्षी के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल के द्वारा छिन्दवाड़ा अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुत ज्ञापन में उल्लेख किया है कि जैन मुनि शांति दूत के रूप में पहचाने जाते हैं, वे जीव हत्या व विद्रोह सहित हिंसा की लगातार खिलाफत करते हैं। किन्तु बड़े ही दुख का विषय है कि मप्र में तीन जैन मुनियों पर हमला निंदनीय है। मुंबई में जैन मंदिर को असंवैधानिक रूप से तोड़ा जाना जैन समाज की धार्मिक आस्था पर प्रहार है।ज्ञापन प्रस्तुत करते समय कांग्रेस धर्म एवं उत्सव प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष आनंद बक्षी, सुजीत जैन, आशीष त्रिपाठी, नंदन जैन, रूपल वाकलीवाल, चेतन जैन, अनिकेत त्रिपाठी, पुष्पक बक्षी व धीरज सूर्यवंशी सहित अन्य उपस्थित रहे।

पुलिस की लापरवाही से केटर्स की मौत

गुजराती समाज लापरवाह अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग

छिंदवाड़ा। केटर्स जितेन्द्रसिंह चौहान विगत दिनों दुर्घटना में घायल हो गये, पुलिस ने घायल अवस्था में उन्हें रात्रि में जिला अस्पताल में भर्ती कराया, उनके जेब में आधार कार्ड था। पुलिस ने गलती कर उनके घर रात्रि में खबर नहीं कि जबकि आधार कार्ड में पता एवं मोबाईल नबंर था, इसी तरह की गलती जिला अस्पताल के स्टाफ ने किया डॉक्टर को दुर्घटना के बाद उसकी गम्भीरता का पता रहा होगा, डॉक्टर पुलिस के निर्देश देते तो पुलिस या अस्पताल के स्टाफ घर में खबर कर देते तो तुरन्त घर वाले उन्हें मिलने आते। गम्भीर हालत में जितेन्द्र चौहान रात्रि भर अस्पताल में रहे, पुलिस की लापरवाही से एक युवा केटर्स की जान चली गई। गुजराती समाज के अध्यक्ष अश्विनी भट्ट ने एस.डी.एम को ज्ञापन देकर जांच की मांग की एवं लापरवाह पुलिस अधिकारियों पर कार्यवाही करने की मांग की है।

दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए वेतन की संशोधित दरें निर्धारित

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा राज्य शासन द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये श्रमायुक्त इन्दौर द्वारा जारी अधिसूचना 28 मार्च 2025 के परिप्रेक्ष्य में जिले में कार्यरत शासकीय दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों और कर्मचारियों के लिये दैनिक वेतन की संशोधित दरें निर्धारित की गई हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि अनुसूची अ के अंतर्गत 67 अनुसूचित नियोजन में परिवर्तनशील मंहगाई भत्ता सम्मिलित करते हुये 26 दिन के मान से दैनिक और मासिक वेतन की दरें निर्धारित की गई हैं। इसके अनुसार अकुशल श्रमिकों के लिये 466 रूपये प्रतिदिन और 12 हजार 125 रूपये मासिक, अर्धदकुशल श्रमिकों के लिये 505 रूपये प्रतिदिन और 13 हजार 121 रूपये मासिक, कुशल श्रमिकों के लिये 571 रूपये प्रतिदिन और 14 हजार 884 रूपये मासिक तथा उच्च कुशल श्रमिकों के लिये 633 रूपये प्रतिदिन और 16 हजार 469 रूपये मासिक वेतन निर्धारित किया गया है। अनुसूची ब में किसी स्लेट पेंसिल निर्माण शाला में नियोजन में परिवर्तनशील मंहगाई भत्ता सम्मिलित करते हुये मजदूरों के लिये 466 रूपये प्रतिदिन और 12 हजार 125 रूपये मासिक, पेकर, पट्टीपेकर व सीपर के लिये 488 रूपये प्रतिदिन और 12 हजार 681 रूपये मासिक, मुनीम, लेखाकार, क्लर्क आदि के लिये 571 रूपये प्रतिदिन और 14 हजार 884 रूपये मासिक, रोलर्स, मिस्त्री व पाइन्टर्स के लिये 621 रूपये प्रतिदिन और 16 हजार 203 रूपये मासिक, उच्च कुशल श्रमिकों के लिये 633 रूपये प्रतिदिन और 16 हजार 469 रूपये मासिक तथा कटर्स के लिये 654 रूपये प्रतिदिन और 16 हजार 994 रूपये मासिक वेतन निर्धारित किया गया है।

भारत वर्ष में जब कभी भी बैतूल जिले की राजनैतिक चर्चा होगी स्व. विजय कुमार खंडेलवाल बाबू जी के नाम से शुरू होगी..

योगेश गुप्ता, बैतूल । बैतूल हरदा लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी कमल के फूल निशान से लगातार चार बार सांसद रहे स्व.विजय कुमार खंडेलवाल को बैतूल जिले के विकास पुरूष होने के साथ एक संकल्प रूप में बाबू जी को याद किया जाता है। बाबू जी एक परिभाषा रही है कि उनके वचन पर अडिग रहा करते थे। किसी भी कार्य के लिए संकल्पित हुआ करते थे।आम जन उन्हें हमेशा ही अपने परिवार का मुखिया के रूप मानकर चलती और उतना ही विश्वास भी रखती थी। इसलिए उन्हें बड़े आदर और प्रेम के साथ सम्मान पूर्वक बाबू जी कहकर एक विश्वास के साथ आवाज दिया करते रहे। और भी लोह पुरुष के रूप में हम विजय बाबू जी का स्मरण करते है। अगर हम बात करे वर्तमान में जिन्होंने राजनीति के क्षेत्र में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। वे भी हमारे बाबू जी स्व. विजय खंडेलवाल के मार्ग दर्शन में चलकर और आदर्शों से प्रेरित है। पूर्व सांसद बाबू जी विजय खंडेलवाल के राजनैतिक जीवन का एक मात्र उद्देश्य रहा एक अच्छे समाज का निर्माण करना। बैतुल लोक सभा क्षेत्र का विकास और जिले में शिक्षा का विस्तार करना रहा है। आज उन सभी जिम्मेदारीयों को उतने ही आत्म विश्वास और संकल्प के साथ बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल और ऋतू खंडेलवाल पूरा करने के लिए संकल्पित है। प्रेदश की राजनीति में पूर्व सांसद स्व. विजय खंडेलवाल परिवार का बड़ा सम्मान है। उस सम्मान को और विश्वास को समाज प्रदेश की जनता और व्यपारी और शासन प्रशासन के बीच बनाये रखने मे प्रदेश की जनता विधायक हेंमन्त खंडेलवाल मुकेश खंडेलवाल की महत्त्वपूर्ण भूमिका मानती है। नगर के प्रतिष्ठित व्यपारी बाबू जी को अपना विश्विनीय सलाहकार के रूप में माना करते थे। बाबू का वही सरल स्वभाव सरल भाषा, बिल्कुल साधारण सी वेश भूषा और उनकी सकारात्मक ऊंची विचार धारा आप हम सभी को

आकर्षित करती थी।विजय बाबू जी अपने इष्टमित्रों को अपने जीवन में हमेशा संघर्ष करने की प्रेरणा देते रहे। अपने साथयों का विपरीत परिस्थितियों में हमेशा साथ खड़े रहे। उन्हें कभी अकेला नहीं छोड़ा उनकी मुसीबत में साथ खड़े रहना मदद करना उनका स्वभाव रहा है। किसी भी सामाजिक या राजनैतिक कार्यक्रमो में बिलकुल टाइम पर पाबंद रहना उनकी खूबी रही है। जिले भर में उन्होंने प्रशासनिक अमले को समय का पाबंद रखा। जिससे प्रशासन भी बाबू जी से प्रभावित हुआ करता था। स्व. पूर्व सांसद को शासन प्रशासन में उनके मधुर और भरोसे के संबध स्थापित रहे।उनका मानना था। कि अगर वे जनता के अधिकार और क्षेत्र के विकास पर बात कर रहे तो उन्हें कोई फर्क नहीं पडता की सरकार किसी भी पार्टी की रहे। वे मजबूत पकड़ रखते थे। उन्हें स्वयं के मजबूत इरादों पर भरोसा था।

बैतूल लोक सभा क्षेत्र के सबसे लोक प्रिय सासंद रहे स्व. विजय कुमार खंडेलवाल बाबू जी को उनकी जयंती पर आमला विधायक योगेश पंडाग्रे, मुलताई विधयाक चंदशेखर देशमुख घोड़ाडोंगरी विधायक गंगा उइके, नपा अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर, नपा मुलताई अध्यक्ष वर्षा गढेकर, प्रेम शंकर मालवी, रमेश मिश्रा सुनिल शर्मा, रंजीत सिंह, कीर्ति यादव, कमलेश सिंह सारनी, दीपक सलूजा, राजेश आहूजा, आनंद प्रजापति, संजू सोलंकी, ताक्षित सोनारे , पार्षद संतोष भलावी पत्रकार सहित राजनैतिक पार्टी के सम्मानित गण, नेता, कार्यकर्ता, व्यपारी गण लोक सभा क्षेत्र की समस्त आम जनता,एवं जिले के पत्रकार साथियो बाबू जी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है।

जल गंगा संवर्धन अभियान...

ग्राम तामिया ग्वाल नदी में की गई साफ सफाई रैली निकाल किया जागरुक

छिंदवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार म.प्र.जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन एवं तामिया विकासखंड समन्वयक राजू मांडवे के कुशल मार्गदर्शन में विकासखंड तामिया के सेक्टर क्रमांक-03 भरियाढाना के पास ग्वाल नदी पर बने बोरी बंधान को पुनः व्यवस्थित कर नदी से पालीथीन, सीमेंट की बोरी ,प्लास्टिक की बोतल नदी के समीप का कचरा आदि को निकाला गया, जिससे की पालतू पशु, पशु-पक्षी, वन्य प्राणी साफ जल पी सके इस अवसर पर परामर्शदाता श्री चन्द्रकान्त विश्वकर्मा ने जल संरक्षण अभियान ओर जल के महत्व व जल को कैसे बचाया जाए के संबंध में सभी बताया। परामर्शदाता सुभाष मिनोटे ने सभी को जल संरक्षण की शपथ दिलाई संदीप राज एवं स्वाति सूर्यवंशी ने सभी से यह आग्रह किया कि आप अपने अपने क्षेत्र के जल श्रोत को संरक्षित करने हेतु ग्रामीण जन के सहयोग से तालाब, कुओं, हैंडपंप के आसपास स्वच्छता एवं जलश्रोत को संरक्षित करने हेतु सभी को मोटिवेट करने का कार्य करे यह अभियान लगातार 30 जून तक चलेगा परामर्शदाता पंकज राय ने रैली में जल है तो कल है जैसे नारे के माध्यम से युवाओं में जोश एवं उत्साह भरते हुए क्षेत्र में रैली के माध्यम से लोगों को जागरूक किया यह कार्यक्रम आज जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किया गया, जिसमें चयनित नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बाँगई, ऊषा समाज कल्याण महिला एवं बाल विकास तामिया, सतपुड़ांचल जनकल्याण समिति ,श्री दादा जी जनजागृति एवं कल्याण समिति,ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति टेकापार एवं क्षेत्र की प्रस्फुटन समिति के प्रतिनिधि ,मेंटर चंद्रकांत विश्वकर्मा,सुभाष मिनोटें,श्रीमती स्वाति सूर्यवंशी,पंकज रायगौरीशंकर ऊइके सीएमसीएलडीपी कक्षा बी एस डब्लू / एम एस डब्ल्यू के छात्र /छात्राएं जगन्नाथ यादव, अभिलाषा, महेन्द्र यादव,हर्षलता कहार, दीना कवरेतीकरण धुर्वे,देवकी, राजेश, तीजा सरयाम, ईश्वर धुर्वे,आदि विद्यार्थी एवं ग्राम के युवा साथी उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश के आईएएस अधिकारी राहुल हरिदास फटिंग और नेहा मीना को प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित

भोपाल। सन 2010 में ओपी रावत साहब को भी प्रधानमंत्री अवार्ड से सम्मानित किया गया था उनके साथ उनकी टीम में संजय दुबे और गुलशन बामरा थे और इस टीम में अनिल ओबेरॉय जयदीप गोविंद रश्मि शमी एवं एके उपाध्यक्ष भी थे जिन्हें पीएम अवार्ड से सम्मानित किया गया था इस साल यह अवार्ड नेहा मीणा एवं फूटिंग हरिदास को भी दिया गया है मध्य प्रदेश कैडर के दो आईएएस अधिकारियों डॉ. राहुल हरिदास फटिंग और नेहा मीना को सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

तिर्की वन नेशन-वन सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन विकसित करने पर पुरस्कृत- मध्य प्रदेश के एमएसएमई संचालक विशेष गढ़पाले को सरकार और नागरिक के बीच दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों के लिए अलग-अलग इंटरफेस के लिए एक सॉफ्टवेयर विकसित करने के लिए पीएम उत्कृष्टता पुरस्कार, 2019 से सम्मानित किया गया है। इसी क्रम में, मध्य प्रदेश के आईएएस अधिकारी अजय तिर्की, जो वर्तमान में केंद्रीय भूमि संसाधन विभाग में सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति पर हैं, को संपत्ति के दस्तावेजों और कार्यों आदि के पंजीकरण के लिए वन नेशन-वन सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन विकसित करने के नवाचार के लिए पीएम उत्कृष्टता पुरस्कार, 2021 दिया गया।

इंदौर कलेक्टर स्वच्छता अभियान के लिए पुरस्कृत

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में दतिया के कलेक्टर संजय कुमार ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। इसके साथ ही मध्य प्रदेश कैडर के तीन अन्य अधिकारियों को भी पीएम उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दतिया जिले में जनभागीदारी से पोषण अभियान में मेरा बच्चा अभियान शुरू किया गया। अभियान में कुपोषित माताओं और बच्चों की पहचान कर उन्हें कुपोषण से पोषण कार्यक्रम में शामिल किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में कम वजन, बौनापन और शारीरिक दुर्बलता को दूर करना और महिलाओं में एनीमिया का इलाज करना है। इसके साथ ही पोषण मटका थीम के तहत जिले में कुपोषित बच्चों के परिवारों को भोजन सहायता प्रदान करने के लिए समुदाय को प्रेरित भी किया गया। इंदौर के जिला कलेक्टर मनीष सिंह को स्वच्छ इंदौर अभियान के लिए नागरिक-सरकार इंटरफेस के लिए पीएम उत्कृष्टता पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया है।

आर.डी.कोचिंग का जेईई मेन्स सेशन-2 का रहा उत्कृष्ट परिणाम

विद्यार्थी सम्मानित मिलन मोहने ने प्राप्त किए 99.97 परसेन्टाईल

सांध्य प्रकाश, बैतूल। जिले में प्रतिष्ठित एवं उत्कृष्ट कोचिंग संस्थान आर डी सी सी बैतूल का जेईई मेन्स सेशन-2 का शानदार परीक्षा परिणाम रहा। उत्कृष्ट सफलता हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं का कोचिंग प्रबंधन एवं शिक्षकों ने सम्मानित कर हौसला बढ़ाया। विद्यार्थियों ने खुशियां मनाई। आरडी कोचिंग क्लासेस बैतूल के विद्यार्थी मिलन मोहने ने गणित में 100 परसेंटाईल के साथ ओव्हर ऑल 99.97 परसेन्टाईल हासिल कर जिले का नाम रौशन किया। जेईई मेन्स सेशन-2 में 99.97 परसेन्टाईल हासिल करने वाले मेधावी छात्र मिलन मोहने ने कहा कि उत्कृष्ट सफलता का यह सफर आसान नहीं था। लेकिन आरडीसीसी के अनुभवी विषय विशेषज्ञ शिक्षकों के मार्गदर्शन, टेस्ट सीरीज का सतत अभ्यास और पर्सनल गाइडेंस ने उन्हें लक्ष्य तक पहुंचाया है। छात्र-छात्राओं ने अपने अनुभव सांझा किया है।

क्लास नव्वी से पास होकर दसवीं क्लास पंहुचे छात्र आदित्य शर्मा ने सांध्य प्रकाश को चर्चा में हुए बताया। कि कोचिंग संस्थान की डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खंडेलवाल

मेडम जी द्वारा समय-समय पर मार्ग दर्शन देकर परीक्षा के दबाव से बचने के लिए विद्यार्थियों को मानसिक रूप से तैयार करती रही है। जिससे हम

विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान बहुत मदद मिलती थी।वहिं छात्र-छात्राओं ने अपने अनुभव सांझा करते हुए कहा कि विशेषज्ञ शिक्षकों के मार्गदर्शन में सतत अध्ययन डाउट क्लीयरेंस तथा लगातार मोटिवेशन से यह सफलता हासिल की है। वहिं दसवीं क्लास में पंहुचे अंश के पिता प्रदीप मगरकर टिकारी निवासी ने कहा कि आर डी कोचिंग क्लासेस में छात्र और शिक्षक सिर्फ क्लास रूम तक ही सीमित नहीं रहते बल्कि एक पारिवारिक माहौल में रहकर पढ़ाई करते है। वहिं कोचिंग संस्थान की डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खंडेलवाल ने कहा कि यह तो अभी शुरूवात है। शिक्षको और विद्यार्थियों की मेहनत आने वाले समय में सफलता के नए कीर्तिमान हासिल करेंगी। कहा कि हमे गर्व है। कि आरडी कोचिंग के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे है। श्रीमती खंडेलवाल ने जिले के सभी विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। आर डी कोचिंग क्लासेस में आयोजित सम्मान समारोह में जेईई मेन्स सेशन-2 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को फूलों की माला पहनाकर सम्मानित किया। जेईई मेन्स सेशन-2 में उत्कृष्ट सफलता हासिल करने वालों में मिलन मोहने, ख्याति मानकर, प्रिंस वराठे, दीपाली चौहान, कुलदीप साहू, प्रियांषी वर्मा, रामकृष्ण सिरसाम, यशस्वी मेश्राम, सुहानी अमित चौधरी, आयमेन जावेद,हिमांषी डोंगरदिये श्रेयांश सोनी, आर्यन राठौर, इषिता पंवार, माही उदासी, मोहित दाते, यषस्वी अडलक,अदित विकेश शाह, अंषिका राजेश, अरहत रंजीत निरगुले, आर्या धोटे, चित्रांश धोटे, गौरव साहू,के राहुल, लक्ष्य परिहार,लावण्या चौकीकर, मयूर मानकर, पार्थ चौकीकर, पुष्पराज साहू,उत्कृष्ट आहूजा, चहक धोटे शामिल है।

इंदौर के होटल में मिली नकली नोट की फैक्टरी, भोपाल से 3 लाख 85 हजार जब्त

भोपाल। इंदौर के एक होटल में नकली नोट छापने की फैक्टरी का पुलिस ने भांडाफोड़ किया है। इस फैक्टरी को चलाने वाले सभी युवक पढ़े-लिखे हैं। इनमें भोपाल के युवक भी शामिल हैं। यह खुलासा तब हुआ, जब होटल स्टाफ को शक हुआ और उसने मास्टर चाबी से रूम खोला। स्टाफ कमरे का नजारा देखकर चौक गया। कमरे में प्रिंटर, लेमिनेटर, कम्प्यूटर और लाखों के नकली नोट बिखरे थे। सूचना मिलने पर क्राइम ब्रांच ने दबिश देकर पूरे रैकेट का भंडाफोड़ किया।

छिंदवाड़ा का अब्दुल शोएब उर्फ छोटू (25) आर्ट एंड डिजाइन से ग्रेजुएट है। वह लंबे समय से बेरोजगार था। पिता पर बड़ा कर्ज था। उसने ऑनलाइन फर्जी करेंसी से जुड़े ग्रुप्स खंगालना शुरू किए और यहीं उसकी पहचान द्वारका (गुजरात) के मयूर चम्पा (25) से हुई, जिसने फिल्म फर्जी देखने के बाद नकली नोट छापने का आइडिया सोचा था। मयूर ने शोएब को एक खास सॉफ्टवेयर मुहैया कराया, जो असली नोट की हूबहू कॉपी तैयार कर सकता था। इसमें वाटरमार्क, सीरियल नंबर और रंगों तक का मिलान था। शोएब ने रहीश खान (32), प्रफुल्ल कोरी (19) जैसे साथियों को जोड़ा, जो या तो मामूली काम करते थे या बिल्कुल बेरोजगार थे। बाद में भोपाल के आकाश घारु (30) और मेडिकल स्टोर संचालक शंकर चौरसिया (42) भी इस रैकेट से जुड़ गए। सारा नेटवर्क फेसबुक के जरिए जुड़ा था। सॉफ्टवेयर, हाई क्वालिटी प्रिंटर, लेमिनेशन मशीन, बटर पेपर, कटिंग टूल्स और अन्य उपकरण खरीदे गए।

जल्दी अमीर बनना चाहते थे- डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया- 13 अप्रैल को सूचना मिली कि इंदौर के अनुराग नगर स्थित होटल इंटरनिटी में तीन युवक नकली नोट छाप रहे हैं। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए होटल के रूम नंबर 301 में दबिश दी। यहां से अब्दुल शोएब, रहीश खान और प्रफुल्ल कुमार कोरी को गिरफ्तार किया। कमरे की तलाशी के दौरान उनके बैग से 500-500 रुपए के 100 नकली नोट और नोट छापने के उपकरण बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि जल्दी अमीर बनने की नीयत से उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से होटल में छिपकर नकली नोट छापने का ठिकाना बनाया था। इन्हें अपने अन्य साथियों के माध्यम से बाजार में खपाने की योजना बना रखी थी। केस दर्ज कर तीनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई।

भोपाल में नकली नोटों की सप्लाई कर रहे थे

आरोपियों ने बताया कि उनके दो साथी भोपाल में नकली नोटों की सप्लाई का काम कर रहे हैं। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम भोपाल पहुंची।